राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,13 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–316 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भूपेंद्र पटेल बने गुजरात के 18वें सीएम, पीएम मोदी की मौजूदगी में ली शपथ

नई दिल्ली। गुजरात भाजपा विधायक दल द्वारा सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अपना नेता चुने जाने के बाद आज दूसरी बार मुख्यमंत्री गुजरात के गांधीनगर में शपथ लेने जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह का वक्त दोपहर 2 बजे रखा गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के प्रमुख नेता शामिल हो रहे हैं। गांधीनगर में गुजरात के मनोनीत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के शपथ ग्रहण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के कई नेता पहुंचे। बीजेपी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की, राज्य की 182 विधानसभा सीटों में से 156 सीटों पर जीत दर्ज की जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

16-17 लोग ले सकते हैं शपथ

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता विजय रूपाणी ने कहा कि नए मंत्रिमंडल को राज्य के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिनिधियों को साथ रखते हुए संतुलित किया गया है। सरकार

इस मंत्रिमंडल के आधार पर विकास करेगी। अभी मंत्रिमंडल का पार्ट वन है बाद में इसका विस्तार होगा। 16-17 लोग शपथ ले रहे हैं।

नई कैबिनेट में शामिल होंगे हार्दिक पटेल? - गांधीनगर से नवनिर्वाचित विधायक हार्दिक पटेल ने गुजरात की नई कैबिनेट में शामिल होने का बात पूछे जाने पर कहा कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जो भी तय करेगा वो गुजरात के भले के लिए होगा। मैं कम उम्र का विधायक हूं। विधायक की भूमिका मुझे निभानी है। पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी उसे भी निभाएंगे। अभी किसी को नहीं पता कि मंत्रिमंडल में किसका नाम है किसका नहीं।

मोदी ने देशवासियों से की प्रधानमंत्री संग्रहालय देखने की अपील

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से राजधानी में स्थापित प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण करने और उसे देखने का का आग्रह किया है। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी के ट्वीट के प्रत्युत्त में प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है, पीएमसंग्रहालय में ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन वहां आने का आनन्द बढ़ा देगा। अवश्य आइये। प्रधानमंत्री संग्रहालय दिल्ली के ऐतिहासिक तीन मूर्ति परिसर में निर्मित है और इसमें देश के 14 पूर्व प्रधानमंत्रियों के जीवन की झलक के साथ साथ राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ष 14 अप्रैल प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन किया।

देश में कोरोना से पिछले 24 घंटे में किसी मरीज की नहीं हुई मृत्यु

नयी दिल्ली। देशभर में राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है, जिससे मृतकों की संख्या 5,30,658 पर बरकरार है और मृत्युदर 1.19 फीसदी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 219.97 करोड़ से अधिक टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के सात सक्रिय मामले कम होने से इनकी संख्या घटकर 3,906 रह गयी है और इसी अवधि में कोरोना के संक्रमण से 166 लोगों के मुक्त होने से कुल संख्या बढ़कर 4,41,40,417 हो गयी है। देश में स्वस्थ होने की दर 98.80 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों की दर 0.1 प्रतिशत है।

मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में छह राज्यों में कोरोना के नए मामले सामने आए हैं और अन्य राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में सक्रिय मामले घटे हैं।

कर्नाटक में कोरोना संक्रमण के 17 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 1,427 हो गयी है। इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 40,29,813 तक पहुंच गयी है और मृतकों की संख्या 40,306 तक पहुंच गयी है। केरल में पांच सक्रिय मामलों के घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1,415 रह गयी है। कोरोना महामारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 67,54,249 हो गई है और मतृकों की संख्या 71,524 है। महाराष्ट्र में 12 सक्रिय मामले घटकर 205 रह गये हैं। इस दौरान 30 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 79,87,575 तक पहुंच गयी है। राज्य में मृतकों की संख्या 1,48,408 पर स्थिर है। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के दो सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 107 हो गयी है।

विपरीत स्थितियों के बावजूद रुपए में है मजबूती : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है और स्थिति विपरीत है इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ खड़ी है और तेज गति से आगे बढ़ रही है।

श्रीमती सीतारमण ने लोकसभा में सोमवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि रुपए कहीं भी आईसीयू में नहीं है। उनका कहना था कि जो लोग रुपए कोआईसीयू में बताते हैं उन्हें मालूम होना चाहिए की डॉलर और अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपए बेहतर स्थिति में है। जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था आईसीयू में थी उस डावांडोल स्थिति में भी रुपए में मजबूती थी।

उन्होंने कहा कि रुपए किस स्तर तक मजबूत है इसका अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था से लगाया जा सकता है जो महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भी तेजी से आगे बढ़ रही है। उनका कहना था कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था गिर रही है लेकिन रुपए इसका सीधा मुकाबला कर रहा है और विपरीत

स्थितियों के बावजूद पूरी ताकत के साथ खड़ा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि कई कारणों से रुपए में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं लेकिन प्रवाह बहुत अच्छा है इसलिए विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ रहा है। जो आरोप लगा रहे हैं कि निर्यात घटा है, अर्थव्यवस्था गिर रही है, ये सब आरोप तथ्यहीं है और इसका कोई प्रमाण नहीं देने को तैयार नहीं है।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दोस्ताना टेबल टेनिस मुकाबले का किया उद्घाटन

वाराणसी। काशी तमिल संगमम में चल रहे खेल महोत्सव में सोमवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच खेले जाने वाले दोस्ताना टेबल टेनिस मुकाबले का उद्घाटन किया । मैच के उद्घाटन के बाद केन्द्रीय खेल मंत्री ने भी टेबल टेनिस सधे अंदाज में खेली। रविवार को क्रिकेट मैच में चौके छक्के लगाने के बाद टेबल टेनिस में भी सधे अंदाज में खेलने वाले अनुराग ठाकुर युवा खिलाड़ियों में आकर्षण का केन्द्र बने रहे। बीएचयू के एंफीथिएटर ग्राउंड के इंडोर स्टेडियम में केन्द्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों का जमकर उत्साह

केन्द्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार अलसुबह काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में भी हाजिरी लगाई।

वर्धन किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि खेलकूद के माध्यम से उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का काम किया जा रहा है। खिलाड़ियों के मन में भी इसको लेकर उत्साह है। उन्हें भी यहां आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि काशी-तमिलनाडु को जोड़ने का काम हजारों वर्ष पुरानी अपने संस्कृति, सभ्यता, इतिहास और कला के साथ अब खेल को जोड़ने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। यह अभूतपूर्व प्रयास है जो सफल हुआ है।

—अनुराग ठाकुर ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

केन्द्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार अलसुबह काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में भी हाजिरी लगाई। दरबार में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद अनुराग ठाकुर ने मंदिर चौक में फोटो भी खिचवाई। मंदिर में दर्शन पूजन के बाद ट्वीट कर उन्होंने लिखा ओम नमः पार्वती पतये, हर- हर महादेव। काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन कर सर्वकल्याण की कामना की।

सरकार एक साल में करेगी 10 लाख लोगों की नियुक्ति : प्रधान

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि सरकार विश्वविद्यालयों तथा अन्य विभागों में खाली पदों पर भर्ती की तैयारी कर रही है और एक साल के भीतर 10 लाख से ज्यादा पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

श्री प्रधान ने लोकसभा में पूरक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी देते हुए बताया कि 30 फ़ीसदी पद अभी खाली पड़े हुए हैं और उसको भरने की प्रक्रिया चल रही है। सरकार की योजना एक साल के अंदर 10 लाख नियुक्ति देने की है और इसमें शिक्षा विभाग में बड़े स्तर पर भर्तियां होने वाली है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल में 2000 में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति हुई है उसमें कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी भर्ती हुई है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद तथा मालापुरम में भी अलीगढ़ विश्वविद्यालय के विस्तार केंद्र खोले गए हैं लेकिन पिछली सरकार ने 2011 में यह घोषणा की और सपने दिखाए लेकिन उस दिशा में काम नहीं किया जिसके कारण इस काम को आगे बढ़ाने में दिक्कत हो रही है

शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने एक अन्य सवाल पर कहा कि आदिवासी विश्वविद्यालय में सभी समुदायों के बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं जिनमें आदिवासी तो होते ही हैं दूसरे समुदाय के बच्चे भी नियमित रूप से पढ़ते हैं।

राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार दिखाना समझदारी नहीं- जानकारों ने बताई क्यों फेल हो रही कांग्रेस

नई दिल्ली। गुजरात, हिमाचल प्रदेश विधानसभा और दिल्ली नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद जानकार भारतीय जनता पार्टी का एनालिसिस किया है। उनका कहना है कि ऐसा नहीं है कि भाजपा को हराया नहीं जा सकता। साथ ही उन्होंने कांग्रेस के बार-बार असफल होने की वजह भी बताई और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं दिखाने को समझदारी बताया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु के राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ये तीन नतीजे बताते हैं कि भाजपा को हराया जा सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन उन्हें हराने के लिए समन्वय, समर्पण और लक्ष्य पर गहरा ध्यान लगाने की जरूरत होगी। गुजरात में भाजपा ने 7वीं बार सरकार बनाई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में वापस आई और एमसीडी में आम आदमी पार्टी की सत्ता बनी। राजनीतिक जानकार थरासू श्याम ने कहा, ये नतीजे साफ संकेत हैं कि फोकस अप्रोच के साथ विपक्षी दल भाजपा को पीछे कर सकते हैं।

चुनावी रणनीति बनाते समय पार्टी को तीन सिद्धांतों पुराने मूल्य, मौजूदा वास्तविकता और भविष्य गुंजाइश का ध्यान रखना चाहिए। पुरानी बातों पर ज्यादा निर्भरता कांग्रेस को आगे बढ़ने से रोक रही है। साथ ही यह उन्हें दूसरे दलों के साथ गठबंधन भी नहीं बनाने दे रही। राजनीतिक जानकार राघवेंद्र आरा ने चुनाव के नतीजों को राहुल गांधी की असफलता और प्रियंका गांधी की जीत के तौर पर विश्लेषण करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, एक ओर जहां राहुल ने चुनाव प्रचार में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, उनकी बहन ने हिमाचल प्रदेश में पुरानी पार्टी के लिए भरोसा जीतने में काफी प्रयास किए। उनका आत्मविश्वास और मेहनत पार्टी की अगुवाई के लिए उनका रास्ता तैयार कर सकता है। तमिलनाडु कांग्रेस के महासचिव जीके मुरलीधरन का भी यही मानना है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने चुनावी मैदान में अपना लोहा मनवाया और पार्टी कार्यकर्ताओं के मन में भरोसा जगाया। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी ने बताया कि राहुल के सुस्त रवैये को देखते हुए उन्हें गठबंधन का प्रधानमंत्री उम्मीदवार दिखाना समझदारी नहीं होगी।

जानकार ने कहा, अगर प्रियंका सहमति जताती हैं, तो वह हमारा सबसे अच्छा मौका हो सकती हैं। इधर, एक और राजनीतिक जानकार रवींद्रन दुरईस्वामी का मानना है कि पीएम मोदी की गुडविल 2024 में भाजपा की जीत सुनिश्चित करेगी।

अब 21 साल में लड़ सकेंगे विधानसभा और लोकसभा चुनाव, विपक्ष भी है राजी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की उम्र सीमा को कम करने पर विचार कर रही है। वर्तमान में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 84 (b) के तहत प्रावधान किया गया है कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनने हेतु न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए। वहीं संविधान के अनुच्छेद 173 (b) में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनने हेतु इसी तरह का प्रावधान किया गया है। हालांकि अब देश की 65 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार इस उम्र सीमा को 18 साल करने पर विचार कर रही है।

इससे पहले राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद जयंत सिंह ने शुक्रवार को संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया। उनका यह बिल भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की आयु सीमा से संबंधित है। जयंत ने ट्वीट कर लिखा, ÷संसद और राज्य विधानसभाओं के लिए उम्मीदवारी की आयु को घटाकर 21 वर्ष करने के वास्ते भारत के संविधान (अनुच्छेद 84 और 173) में संशोधन करने के लिए एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया!÷

उन्होंने लिखा, युवा भारत को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने के लिए मेरी पहल! सिर्फ मतदान नहीं, विधानपालिका में सदस्य के रूप में देश को कुशल नेतृत्व प्रदान करने का अधिकार! जयंत के मुताबिक, लोकसभा और विधानसभा सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष होनी चाहिए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार खुद इसे 18 साल करने पर विचार कर रही है। भारतीय संविधान भारत में नागरिकों को 18 साल की उम्र में वोट देने का अधिकार देता है। हालांकि वर्तमान में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 25 साल की उम्र होनी चाहिए।

उम्र सीमा घटाए जाने को लेकर कई तर्क दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि दिल्ली नगर निगम जैसे स्थानीय चुनाव लड़ने की उम्र 21 है तो लोकसभा और विधानसभा के लिए 25 क्यों? इसके अलावा जब वोट डालने की उम्र 18 साल है तो फिर चुनाव लड़ने की उम्र अलग क्यों? इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को तमाम विपक्षी पार्टियों का समर्थन भी मिल सकता है। भाजपा और कांग्रेस के कई सदस्य चुनाव लड़ने की आयु सीमा घटाने के पक्ष में हैं।

रालोद, एमआईएम, वाईएसआरसीपी, राजद, बीजद, शिवसेना (उद्धव गुट) समेत कुछ दल आयुसीमा घटाने के पक्ष में हैं। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार इस बारे में गंभीरता से मंथन शुरू कर चुकी है। भारत युवा देश है, लेकिन सरकार का मानना है कि 2030 के बाद देश के लोगों की औसत उम्र बढ़नी शुरू हो जाएगी। इसलिए अगले 7-8 साल ही ऐसे हैं, जिनमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जनप्रतिनिधि के रूप में संसद या विधानसभाओं में पहुंचने का मौका मिल सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बांग्लादेश में हसीना का विरोध ?

बीएनपी को बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिम मौलानाओं और जमाते-इस्लामी का भी भरपूर समर्थन है। बांग्लादेश की बीएनपी की नेता बेगम खालिदा जिया ने घोषणा की है कि शेख हसीना सरकार के राज में मंहगाई आसमान छू रही है लोग बेरोजगार हो रहे हैं विदेश व्यापार घट गया है और सरकार भारत के इशारों पर नाचने लगी है। वह बांग्लादेशी मुसलमानों के हितों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं करती है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

बांग्लादेश में भी शेख हसीना सरकार के खिलाफ उसी तरह प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं जैसे कि श्रीलंका और म्यांमार की सरकारों के विरूद्ध हुए थे। म्यांमार की फौज ने वहां तो डंडे के जोर पर जनता को ठंडा कर दिया है लेकिन श्रीलंका की सरकार को चुनावों में मात खानी पड़ी है। 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' ने दावा किया है कि उसके प्रदर्शनों में दस लाख लोग जमा हुए हैं और उन्होंने हसीना से इस्तीफा मांगा है। उनका कहना है कि 2024 में चुनाव होने तक ढाका में कोई कार्यवाहक सरकार नियुक्त की जाए। बीएनपी के सातों सांसदों ने अपने इस्तीफों की घोषणा कर दी। उन्होंने मांग की है कि चुनाव तुरंत करवाएं जाएं। शेख हसीना ने हर बार धांधली करके चुनाव जीता है। बीएनपी को बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिम मौलानाओं और जमाते-इस्लामी का भी भरपूर समर्थन है। बांग्लादेश की बीएनपी की नेता बेगम खालिदा जिया ने घोषणा की है कि शेख हसीना सरकार के राज में मंहगाई आसमान छू रही है लोग बेरोजगार हो रहे हैं विदेश व्यापार घट गया है और सरकार भारत के इशारों पर नाचने लगी है। वह बांग्लादेशी मुसलमानों के हितों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं करती है। रोहिंग्या मुसलमानों पर म्यांमारी अत्याचार और भारतीय अन्याय पर हसीना सरकार की चुप्पी बहुत ही निंदनीय है। इन सब आरोपों के बावजूद खालिदा जिया की इस रैली के मुकाबले हसीना द्वारा आयोजित चिटगांव और कॉक्स बाजार की रैलियों में कई गुना लोग शामिल हुए थे। 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस पर आयोजित इस बीएनपी रैली का उद्देश्य यह भी था कि उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों का सहयोग भी मिलेगा लेकिन इन देशों के कई नेताओं और अखबारों ने खालिदा की पार्टी और जमात पर उनके शासन काल में भ्रष्टाचार और आतंकवाद फैलाने के आरोप लगाए थे। इन दोनों पार्टियों को बांग्लादेश की जनता पाकिस्तानपरस्त समझती है। 1971 में पाकिस्तानी फौज के द्वारा की गई हत्याओं अत्याचार और बलात्कार को बांग्ला जनता अभी भी पूरे दर्द के साथ याद करती है। भारत के प्रति आम बांग्लादेशी जनता में अभी भी आभार का भाव है। भारत ने बहुत-से टापू ढाका को दे दिए थे यह भी भारत की उदारता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भारत सरकार ने बांग्लादेशियों की सहायता उसी उत्साह से की है जैसी वह अपने नागरिकों की करता है। हसीना सरकार ने भी भारत के उत्तर-पूर्वी प्रांतों को समुद्र तक पहुंचने की थल-मार्ग सुविधा दे रखी है। जबकि खालिदा-सरकार के ज़माने में असम और मणिपुर के आतंकवादियों को ढाका ने भरपूर मदद की थी। खालिदा और जमात के कारनामों से बांग्लादेश के हिंदू बहुत डरे हुए हैं लेकिन ऐसा नहीं लगता कि नेपाल और श्रीलंका की तरह बांग्लादेश में भी सरकार बदलने की परिस्थितियां तैयार हो गई है।

सूक्ति

सन्यास हृदय की एक दशा का नाम है किसी ऊपरी नियम या वेशभूषा का नहीं।
- श्रीमद् भगवदगीता

जंज़ीरें जंज़ीरें ही हैं चाहे वे लोहे की हों या सोने की वे समान रूप से तुम्हें गुलाम बनाती हैं।
- स्वामी रामतीर्थ

लॉफिंग ज़ोन

मेहमान 'आपका घर तो अच्छा-खासा चिड़ियाघर लगता है।'

राहुल 'यह तो आपकी मेहरबानी हैं, सारी रौनक तो आपके आने से हुई है।'

□ □ □

जनगणना पार्टी गांव में गई। उन्होंने गांव के मुखिया से पूछा, 'आपके गांव में पुरूषों और स्त्रियों की मत्यु-दर क्या है?'

मुखिया बोला, 'हजूर शत-प्रतिशत।'

अफसर हैरान होकर बोला, 'वह कैसे?'

मुखिया, 'हजूर हमारे गांव में जो भी पैदा होता है एक न एक दिन मरता जरूर है।'

□ □ □

एक बादशाह का जनाजा बडी शान से उठा। हजारों लोगों की भीड़ साथ थी। बादशाह का एक चमचा चिल्ला उठा, 'हजूर आप जिंदा होते तो अपने जनाजे की शान देख कर कितना खुश होते।'

□ □ □

दो मूर्ख एक म्यूजियम देखने चले गए। वहां एक ममी रखी थी। उस पर बोर्ड लगा था, 'बी.सी.186।'

पहला मूर्ख बोला, 'लगता है बेचारा किसी ट्रक के नीचे आकर मरा है।

दूसरा बोला, 'ठीक कहते हो। तभी तो ट्रक का नम्बर भी लिख कर टांग दिया है।'

निर्यात बढ़ाकर बजट घाटा घटाने की चुनौती

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय जब वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच दुनिया के अधिकांश देशों की विकास दर घट गई है, तब दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठन भारत की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विश्व बैंक ने 6 दिसंबर को चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान पहले के 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था में बाहरी चुनौतियां झेलने की क्षमता और जुलाई-सितंबर, 2022 की तिमाही में मजबूत वृद्धि को इसका कारण बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 'वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल घटनाक्रम के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू क्षमता दिखा रही है और मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद अन्य उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था को इसे बेहतर बनाती है।' रेटिंग एजेंसी फिच ने अपनी ताजा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा है कि 2022-23 में वैश्विक जीडीपी की वृद्धि महज 1.4 फीसदी रहेगी। पहले उसने 1.7 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। हालांकि उसने भारत के लिए वित्त वर्ष 2023 के जीडीपी वृद्धि अनुमान को 7 फीसदी पर बरकरार रखा है। गौरतलब है कि 30 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई से सितंबर की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 6.3 फीसदी रही, चीन में इसी दौरान विकास दर 3.9 फीसदी रही। वैश्विक मंदी के दौर में भारत की विकास दर चीन की तुलना में डेढ़ गुना और दुनिया में सबसे अधिक है। जीडीपी के नए आंकड़ों के मुताबिक निर्माण, सेवा और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि क्षेत्र से अर्थव्यवस्था को दम मिला है। लेकिन अभी वैश्विक सुस्ती के कारण देश द्वारा निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटे की चुनौती को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाने की जरूरत बनी हुई है। गौरतलब है कि इस समय दुनिया में वैश्विक मंदी के डर से घटी हुई वैश्विक मांग का असर भारतीय निर्यात पर भी दिखने लगा है। जहां यूरोप और अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीतियों को सख्त बनाए जाने से लोगों के हाथों में गैर-जरूरी खर्च के लिए कम धनराशि होने से भारतीय निर्यात की मांग कम हुई है, वहीं विकासशील देशों में लोगों की आमदनी में भारी कमी के कारण भी भारत से निर्यात में बड़ी गिरावट आई है और ऐसे में भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है । चूंकि आने वाले महीनों में वैश्विक आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक तनाव में सुधार की तत्काल संभावनाएं कम हैं, अतएव भारत के लिए निर्यात के लिहाज से हालात अत्यधिक चुनौती भरे हो सकते हैं। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार देश से वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात अक्तूबर, 2022 में 16.65 फीसदी घटकर 29.78 अरब डॉलर रहा, जो 20 माह में सबसे कम है। भारत से जिन 10 देशों को सबसे अधिक निर्यात किए जाते हैं, उनमें से 7 देशों अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, बांग्लादेश, ब्रिटेन, सऊदी अरब और हांगकांग में भारत से निर्यात में भारी कमी आई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अप्रैल-अक्तूबर, 2022 की अवधि में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 173.46 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि चीन में शून्य कोविड नीति और रियल एस्टेट संकट के कारण भारत से निर्यात में चिंताजनक कमी आई है और चीन से भारत का व्यापार घाटा तेजी से बढ़ा है। हाल ही में चीन के कस्टम विभाग की ओर से प्रकाशित भारत-चीन के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच जनवरी, 2022 से सितंबर 2022 के बीच नौ महीनों के दौरान द्विपक्षीय कारोबार 103.63 अरब डॉलर का हुआ है। इस अवधि में चीन से भारत के लिए निर्यात 89.66 अरब डॉलर रहा है। इसमें 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इस अवधि में भारत से चीन के लिए केवल 13.97 अरब डॉलर का निर्यात हुआ है और इसमें 36.4 प्रतिशत की गिरावट रही है। ऐसे में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 75.69 अरब डालर रहा है। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच पूरे वर्ष में 125 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था। खासतौर से एक ऐसे समय में जब डॉलर की तुलना में रुपया निचले स्तर पर दिखाई दे रहा है और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी बड़ी कमी आई है, चीन को भारत से निर्यात घटना और बढ़ता व्यापार घाटा बढ़ना देश की बड़ी आर्थिक चुनौती है। अब एक ओर चीन से आयात घटाने के लिए, तो दूसरी ओर भारत द्वारा जी-20 की कमान संभालने के बाद मेक इन इंडिया और अब मेक फॉर ग्लोबल की डगर तेजी से आगे बढ़ाकर चीन सहित दुनिया के विभिन्न देशों को निर्यात बढ़ाने के लिए नए रणनीतिक कदम जरूरी हैं। हमें देश की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना की अभूतपूर्व रणनीतियों से भारत को आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में तेजी से आगे बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को निर्यात प्रधान अर्थव्यवस्था बनाना होगा। हमें दुनिया की बढ़ती हुई खाद्यान्न जरूरतों के मद्देनजर खाद्यान्न निर्यात और बढ़ाने होंगे। कृषि मंत्री मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2021-22 के दौरान देश से 50 अरब डॉलर से अधिक के रिकॉर्ड कृषि निर्यात हुए हैं। अब सरकार देश में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात से संबंधित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की संभावनाओं को भी मुट्ठियों में लेने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भारत द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को मूर्तरूप दिए जाने के बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। इससे भी भारत के निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा कम करने के प्रयासों को बड़ा आधार मिलेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में एक नवंबर को डिजिटल रुपये की जो प्रायोगिक शुरुआत हुई है, उसे अब शीघ्रता से विस्तारित करने और विगत 9 नवंबर को विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा निर्यातकों को निर्यात लाभों का दावा रुपये में करने में सक्षम बनाए जाने संबंधी जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, उनके भी कारगर क्रियान्वयन से भारत के निर्यात बढ़ाने होंगे। रुपये में व्यापार बढ़ाकर व्यापार घाटे की चुनौती को कम किया जा सकेगा। हमें अभी वर्ष 2022 के आगामी तीन महीनों में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निरंतर सतर्कता के साथ घरेलू बाजार को आगे बढ़ाना होगा। हमें देश से निर्यात बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने, लॉजिस्टिक की लागत कम करने, शोध और नवाचार तथा श्रमशक्ति को नई डिजिटल कौशल योग्यता से सुसज्जित करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि आगामी वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता की कमान रखते हुए भारत मेक इन इंडिया, मेक फॉर ग्लोबल और मैन्युफैक्चरिंग हब की डगर पर आगे बढ़कर निर्यातों के ऊंचे लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विदेश व्यापार घाटे में भी कमी लाते हुए दिखाई दे सकेगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

चिंतनः आखिर कब तक बोरवेल में दम टूटेगा बच्चों का?

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मांडवी गांव में 55 फीट गहरे बोरवेल में फंसे आठ वर्षीय मासूम तन्मय साहू ने आखिरकार 84 घंटों की जद्दोजहद के बाद दम तोड़ दिया। मांडवी के सुनील साहू का आठ साल का बेटा तन्मय 6 दिसम्बर को शाम करीब पांच बजे दोस्तों के साथ खेलते समय पड़ोसी के बोरवेल में गिर गया था। यह बोरवेल खेत में तीन दिन पहले ही खोदा गया था जिसकी गहराई करीब 400 फीट है। तन्मय बोरवेल में करीब 50 फीट गहराई पर अटका हुआ था जिसे सक्शल बाहर निकालने के लिए जिला प्रशासन और एनडीआरएफ एसडीईआरएफ की टीमों द्वारा युद्धस्तर पर बचाव अभियान भी चलाया गया और तन्मय को बोरवेल से बाहर भी निकाल लिया गया किन्तु अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसी साल 10 जून को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में 80 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 11 साल के राहुल को 104 घंटे के अब तक के सबसे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था लेकिन 22 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में 300 फीट गहरे बोरवेल में करीब 95 फुट नीचे फंसकर छह वर्षीय बच्चा ऋतिक मौत की नींद सो गया था। हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर दर्दनाक मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी हैं कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं। अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विड़म्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने कुछ साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे। विड़म्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है।अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम. ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढ़क्कन से ढ़कना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता। अदालती दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद यदि कोई गड्ढ़ा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन समय और श्रम भी नष्ट होता है।प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढ़ों या सूख चुके कुओं को बोरी पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढ़ांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। बहरहाल न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो। (लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे सड़क पर एक सिक्का दिखा जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा हे सिंहगढ़ नरेश तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद्र हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सतर्क रुख के बीच सेंसेक्स 51 अंक गिरा, निफ्टी स्थिर

मुंबई,

वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों की सतत निकासी के बीच सोमवार को सतर्कता भरे कारोबार में सेंसेक्स 51 अंक के नुकसान में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी लगभग सपाट रुख के साथ बंद हुआ। कारोबारियों के मुताबिक, नवंबर के मुद्रास्फीति आंकड़ों से पहले कारोबारियों ने सतर्कता बरती। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 51.10 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,130.57 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सेंसेक्स एक समय 505.52 अंक यानी 0.81 प्रतिशत तक लुढ़क गया था लेकिन बाद में इसमें सुधार आया। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सपाट स्तर पर रहा। निफ्टी 0.55 अंक की मामूली बढ़त के साथ 18,497.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एसबीआई और बजाज फिनसर्व नुकसान में रहीं। वहीं, टाटा स्टील, नेस्ले, डॉ रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार में शुरुआत काफी कमजोर के साथ हुई थी लेकिन बैंकिंग, धातु और तेल-गैस के शेयरों में तेजी से इस नुकसान की काफी हद तक भरपाई हो गई। हालांकि, आईटी शेयरों में बिकवाली जारी रहने से बाजार पर पर दबाव बना हुआ है।'' एशिया के अन्य बाजारों में भी गिरावट का रुख देखा गया। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में भी दोपहर के सत्र में गिरावट देखी जा रही थी। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक स्तर पर बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत गिरावट के साथ 75.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार से निकासी का सिलसिला जारी रखा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई ने शुक्रवार को 158.01 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

अक्टूबर तिमाही में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 0.3% की गिरावट

लंदन: ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में अक्टूबर में समाप्त तिमाही में गिरावट आई है। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई और बढ़ती ब्याज दरें कंपनियों और उद्योग को प्रभावित कर रही हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अक्टूबर तिमाही में इससे पिछली जुलाई तिमाही की तुलना में 0.3 प्रतिशत घटा है। हालांकि, अनुमानों के अनुसार, अक्टूबर माह में सकल घरेलू उत्पाद 0.5 प्रतिशत बढ़ा है जबकि सितंबर में यह 0.6 प्रतिशत नीचे आया था। ईवाई आइटम क्लब के मुख्य आर्थिक सलाहकार मार्टिन बेक ने कहा कि अक्टूबर में अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार के बावजूद इस बात के आसार हैं कि साल के अंतिम तिमाही महीनों में अर्थव्यवस्था में लगातार दूसरी तिमाही में गिरावट आएगी।

31 मार्च से 30 सितंबर के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई

नई दिल्ली। 31 मार्च से 30 सितंबर के बीच भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 74.65 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 532.66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।यह बात वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कही। उन्होंने बताया, 31 मार्च, 2022 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 607.31 अरब अमेरिकी डॉलर था। 30 सितंबर, 2022 को वे 74.65 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 532.66 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। उत्तर में कहा गया है कि विदेशी मुद्रा भंडार में बदलाव मुख्य रूप से मौजूदा वैश्विक बाजार की स्थितियों को दर्शाने के लिए विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण और विनिमय दर की अस्थिरता को सुचारू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के बाजार हस्तक्षेप संचालन के कारण हुआ। उत्तर में कहा गया कि भारतीय रुपये (आईएनआर) की विनिमय दर बाजार द्वारा निर्धारित है। उन्होंने उत्तर में कहा, आईएनआर, जो पहले अमेरिकी डॉलर (19 अक्टूबर, 2022 तक) के मुकाबले 8.7 प्रतिशत कमजोर हो गया था, तब से कुछ नुकसान कम हो गया है और इसका मूल्यह्रास चालू वित्त वर्ष (30 नवंबर, 2022 तक) में लगभग 6.9 प्रतिशत है। उभरते बाजार की समकक्ष मुद्राओं की तुलना में, आईएनआर की गति अपेक्षाकृत स्थिर रही है।

एफटीए वार्ता फिर से शुरू करने के लिए भारत आएंगी यूके की व्यापार सचिव

नई दिल्ली। पांच महीने के अंतराल के बाद, भारत-यूनाइटेड किंगडम मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू होने वाली है, क्योंकि ब्रिटेन की व्यापार सचिव केमी बडेनोच वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत करने के लिए सोमवार को भारत आ रही हैं।दोनों नेताओं के एफटीए वार्ता के छठे दौर की शुरुआत करने की उम्मीद है। वार्ता का उद्देश्य टैरिफ में कटौती करना और भारत में यूके द्वारा वित्तीय और कानूनी सेवाओं को सुविधाजनक बनाना होगा। बडेनोच व्यापार जगत के लीडरों से भी मिलेंगी और व्यापार समझौते के बारे में उनकी प्रतिक्रिया लेंगी। यूके की व्यापार सचिव ने एक बयान में कहा कि वह भारत-यूके व्यापार समझौते के छठे दौर को फिर से शुरू करने के लिए भारत का दौरा कर रही हैं।

चालू वित्त वर्ष में साल-दर-साल टैक्स कलेक्शन में 24 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 में टैक्स कलेक्शन पिछले साल की समान अवधि के नेट कलेक्शन से 24.26 प्रतिशत अधिक रहा।आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 61.79 प्रतिशत हासिल किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष के दौरान 30 नवंबर तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 66.92 प्रतिशत अधिक आयकर रिफंड जारी किए गए। 1 अप्रैल से 30 नवंबर के बीच 2.15 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए। ई-फाइलिंग पोर्टल के बावजूद समस्याएं सामने आ रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में दावा किया कि आकलन वर्ष 2022-23 के लिए आईटीआर दाखिल करना अधिक आसान था। इसमें कहा गया है कि डेटा का बड़ा भाग प्री-फिल्ड था, जिससे आईटीआर दाखिल करना आसान हो गया। 31 जुलाई के दिन ही 72 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए। साथ ही जुलाई में पांच करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए। मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 30 नवंबर तक सात करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए।

मेरे रेज्ड फंड पर भारत पे के सीईओ ने की ऐशः अशनीर ग्रोवर

नई दिल्ली। 88.6 करोड़ रुपये के चल रहे धोखाधड़ी मामले के बीच कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक बयान देने से रोकने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद, भारत पे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर ने सोमवार को सीईओ सुहैल समीर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सीईओ ने उनके द्वारा जुटाए गए पैसों को खर्च किया, लेकिन फिनटेक फर्म को बढ़ने में मदद करने में वह हमेशा विफल ही रहे।एक ट्वीट में, ग्रोवर ने आरोप लगाया कि समीर ने हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के लिए उनके द्वारा जुटाए गए रुपयों को खर्च किया। ग्रोवर ने ट्वीट किया, सुहैल (सीईओ), बहुत ऐश कर ली अश्नीर के रेज्ड फंड पर। लड़कियों भी घूमा ली ऑस्ट्रेलिया। पर हैं तो हम नल्ले- हायरिंग, प्रोडक्ट, टेक, यूनिटी बैंक, पीए लाइसेंस, मार्केट शेयर, कुछ नहीं हिल रहा हमसे, क्या करेंगे? ग्रोवर ने शार्दुल अमरचंद मंगलदास के साथी सुमीत सिंह पर भी निशाना साधा, जो पिछले साल भारत पे में जनरल काउंसिल (जीसी) के रूप में शामिल था। ग्रोवर ने आगे पोस्ट किया, सुमीत (जीसी)= केस करेंगे! केस करेंगे! केस करेंगे! दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह भारत पे के पूर्व प्रबंध निदेशक और उनके परिजनों को कंपनी के खिलाफ बयान देने से रोकने के लिए कंपनी द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस और समन जारी किया था। इस साल अप्रैल में, ग्रोवर ने सीईओ समीर और बोर्ड के खिलाफ प्रोफेशनल नेटवर्किं ग प्लेटफॉर्म लिंकडइन पर अपनी बहन आशिमा ग्रोवर के खिलाफ टिप्पणी करने के साथ-साथ अध्यक्ष रजनीश कुमार से इस्तीफा मांगने के लिए कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी। ग्रोवर ने पिछले हफ्ते फिनटेक प्लेटफॉर्म के सह-संस्थापक शाश्वत नाकरानी पर हमला करते हुए कहा था कि एक बार उन्होंने पेरोल पर रहते हुए आईआईटी की डिग्री पूरी करने के लिए उनसे पूरे एक साल के लिए ऑफिस बंक करने को कहा था।

पेटीएम उधार कारोबार 4.8 अरब डॉलर की वार्षिक रन रेट पर, अक्टूबर और नवंबर में 68 लाख लोन वितरित किए

नई दिल्ली।

भारतीय डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाओं के अग्रणी पेटीएम ने मजबूत वृद्धि दिखाना जारी रखा है। कंपनी ने सोमवार को अक्टूबर और नवंबर के लिए अपने ऑपरेटिंग मेट्रिक्स के बारे में एक एक्सचेंज फाइलिंग साझा की।लोन वितरण कारोबार के लिए कंपनी की वार्षिक रन रेट अब 39,000 करोड़ रुपये (4.8 अरब डॉलर) है। दो महीनों में, पेटीएम ने 6.8 मिलियन लोन (150 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि) वितरित किए हैं, जो कुल मिलाकर 6,292 करोड़ रुपये (774 मिलियन डॉलर, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 374 प्रतिशत) के लोन अदायगी के बराबर है। कंपनी ने अपने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कम वर्तमान प्रवेश को देखते हुए हम एक महत्वपूर्ण विकास रनवे देख रहे हैं, जबकि हम बुक की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने भागीदारों के साथ काम करना जारी रख रहे हैं। ऑफलाइन भुगतान में कंपनी का नेतृत्व 5.5 मिलियन से अधिक भुगतान उपकरणों के लिए भुगतान करने वाले व्यापारियों के साथ मजबूत हो रहा है। कंपनी ने कहा, एक सेवा मॉडल के रूप में हमारी सदस्यता के साथ, हमारे मर्चेंट लोन वितरण के लिए फनल को बढ़ाते हुए, उपकरणों को मजबूती से अपनाने से हायर पैमेंट वॉल्यूम्स और सब्सक्रिप्शन रेवेन्यूस प्राप्त होता है। पेटीएम सुपर ऐप का उपयोग भी एक और उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कंपनी ने कहा है कि उसके औसत मासिक लेनदेन उपयोगकर्ता (एमटीयू) नवंबर 2022 को समाप्त दो महीनों के लिए 84 मिलियन हैं, जो साल-दर-साल 33 प्रतिशत है। इस उपभोक्ता और मर्चेंट इकोसिस्टम ने कंपनी को नवंबर 2022 को समाप्त दो महीनों के लिए 2.28 लाख करोड़ रुपये (28 बिलियन डॉलर) के मर्चेंट पेमेंट वॉल्यूम (जीएमवी) को 37 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के लिए प्रेरित किया है। पेटीएम अपने प्रस्तावित बायबैक को लेकर सुर्खियों में है।

योजना पर चर्चा करने के लिए कंपनी का बोर्ड 13 दिसंबर को बैठक करेगा और मंजूरी मिलने के बाद ही पेटीएम एक्सचेंजों के साथ अधिक विवरण साझा करेगा। हालांकि, बायबैक की खबर ने निवेशकों का विश्वास जगाया है क्योंकि यह दर्शाता है कि पेटीएम प्रबंधन अपनी वृद्धि और लाभप्रदता योजनाओं के प्रति आश्वस्त है।

माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 7, 8.1 पर एज के लिए सपोर्ट खत्म करने की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 7 और विंडोज 8/8.1 दोनों पर एज वेब ब्राउजर के लिए सपोर्ट तिथि की समाप्ति की घोषणा की है।कंपनी ने दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए माइक्रोसॉफ्ट एज वेबव्यू2 का सपोर्ट भी खत्म कर दिया है। वेबव्यू2 एप्लीकेशन्स में वेब कंटेंट एम्बेड करने के लिए एक डेवलपर नियंत्रण है। ब्लॉगपोस्ट के मुताबिक, दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम 10 जनवरी, 2023 को एज के लिए सपोर्ट खत्म कर देंगे। इसके अलावा, विंडोज 7 और विंडोज 8.1 के लिए क्रोम सपोर्ट भी खत्म हो रहा है, इसलिए यूजर्स को ब्राउजर का इस्तेमाल करने के लिए विंडोज 10 या विंडोज 11 में अपग्रेड करना होगा। माइक्रोसॉफ्ट ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, हम डेवलपर्स को विंडोज 7 और विंडोज 8/8.1 के लिए समर्थन समाप्त करने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। इसमें आगे कहा गया, हम स्वीकार करते हैं कि कुछ डेवलपर्स के लिए ऐसा करना आसान नहीं हो सकता है, हालांकि इन ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए समर्थन समाप्त करने से अंतिम उपयोगकर्ताओं को संभावित सुरक्षा खतरों और जोखिमों से सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी क्योंकि दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम 10 जनवरी, 2023 को सपोर्ट से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट एज ब्राउजर वर्जन 109 और वेबव्यू2 रनटाइम वर्जन 109 इन ऑपरेटिंग सिस्टम का सपोर्ट करने वाले अंतिम संबंधित वर्जन्स होंगे। ब्लॉगपोस्ट ने कहा कि जबकि माइक्रोसॉफ्ट एज और वेबव्यू2 रनटाइम वर्जन्स 109 और पहले के वर्जन्स इन ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करना जारी रखेंगे, उन वर्जन्स को नए फीचर्स भविष्य के सुरक्षा अपडेट या बग फिक्स प्राप्त नहीं होंगे।

गूगल होम ऐप में आया एरर, यूजर्स को हो रही परेशानी

सैन फ्रांसिस्को। गूगल होम एप्लिकेशन कथित तौर पर स्मार्ट होम डिवाइस जोड़ने के दौरान कई यूजर्स को कुड नॉट रीच एरर के मैसेज दिखा रहा है।नतीजतन, यूजर्स नए डिवाइस को जोड़ने में असमर्थ हैं। 9टू5 गूगल रिपोर्ट की अनुसार, इस तरह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही हैं। होम एप्लिकेशन गूगल के स्वामित्व वाले प्रोडक्ट्स जैसे नेस्ट कैम और नेस्ट थर्मोस्टेट के साथ-साथ अन्य कंपनियों द्वारा बनाए गए हजारों थर्ड-पार्टी डिवाइस को नियंत्रित कर सकता है। आम तौर पर, डिवाइस को जोड़ने के लिए किसी अकाउंट को अन्य सर्विस से जोड़ने की आवश्यकता होती है, हालांकि अभी, यह प्रक्रिया बाधित प्रतीत होती है। इस महीने की शुरूआत में, टेक दिग्गज कथित तौर पर अधिक यूजर इंटरफेस (यूआई) में बदलाव कर रहे थे, क्योंकि इसके होम एप्लिकेशन ने इसके प्रमुख रिडिजाइन के लिए प्रीव्यू टेस्टिंग को रैंप अप किया, लेकिन यह कुछ यूजर्स के लिए मौजूदा असिस्टेंट रूटीन को बाधित करता हुआ दिखाई दिया। ड्रॉप-डाउन सेटिंग्स के उलट, नया पेज रूटीन को प्रत्येक डिवाइस के अलग-अलग फीचर्स को मैनेज करने की अनुमति देता है।

रिलायंस जियो ट्र 5जी टेक इकोसिस्टम लाने के लिए वनप्लस के साथ किया सहयोग

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो ने सोमवार को देश में एवोल्यूशनरी स्टैंड-अलोन 5जी टेक्न ोलॉजी इकोसिस्टम लाने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड वनप्लस के साथ साझेदारी की।सहयोग के हिस्से के रूप में, सभी वनप्लस 5जी डिवाइस जियो ट्र 5जी तकनीक द्वारा संचालित होंगे। उपभोक्ताओं के लिए 5जी तकनीक को और अधिक सुलभ बनाने के लिए जियो और वनप्लस की टीमें बैकएंड पर सक्रिय रूप से एक साथ काम कर रही हैं और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में अपनी 5जी प्रौद्योगिकी सेवाओं का विस्तार करना जारी रखे हुए हैं। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील दत्त ने कहा, 5जी स्मार्टफोन की वास्तविक शक्ति केवल जियो जैसे ट्र 5जी नेटवर्क द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है, जिसे स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क के रूप में बनाया गया है, जो कि अपनी तरह का सबसे उन्नत नेटवर्क है। जियो ट्र 5जी सैकड़ों नए और शक्तिशाली अनुभवों को सक्षम करेगा जिन्हें वनप्लस जैसे अग्रणी डिवाइस पर अनुभव किया जा सकता है।जियो ट्र 5जी नेटवर्क तक पहुंच वाले वनप्लस डिवाइसों में लेटेस्ट वनप्लस 10 सीरीज, वनप्लस 9आर, वनप्लस 8 सीरीज के साथ-साथ नॉर्ड, नॉर्ड 2टी, नॉर्ड 2, नॉर्ड सीई, नॉर्ड सीई 2 और नॉर्ड सीई 2 लाइट शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि इसी तरह, वनप्लस 9 प्रो, वनप्लस 9 और वनप्लस 9आरटी की भी जल्द ही जियो ट्र 5जी नेटवर्क तक पहुंच होगी। वनप्लस इंडिया के सीईओ और भारत क्षेत्र के प्रमुख नवनीत नाकरा ने कहा, 5जी तकनीक के साथ उपयोगकर्ता स्मार्टफोन के अपने दैनिक उपयोग से बहुत अधिक हासिल करते हुए, संभवतः कल्पना से कहीं अधिक प्राप्त करते हुए, वास्तव में निर्बाध, तेज इंटरनेट अनुभव का आनंद लेंगे। उपभोक्ता 10,800 रुपये का कैशबैक लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो 13 दिसंबर से 18 दिसंबर तक वनप्लस की एनिवर्सरी सेल अवधि के दौरान वनप्लस और जियो 5जी उपयोगकर्ताओं के लिए प्रदान किया जाएगा। वनप्लस ने किफायती प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये से 45,000 रुपये) के साथ-साथ भारत में 20,000 रुपये से 30,000 रुपये के प्रीमियम सेगमेंट में 5जी स्मार्टफोन बाजार का नेतृत्व किया।

वैश्विक सरकार का आईटी खर्च अगले साल 589 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली।

वैश्विक सरकारी आईटी खर्च 2023 में 588.9 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है, जो 2022 से 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।गार्टनर के अनुसार, 2023 में आईटी सेवाओं और आंतरिक सेवाओं के बाद सॉफ्टवेयर सबसे अधिक बढ़ने वाला सेगमेंट होगा। गार्टनर के निदेशक विश्लेषक डेनियल स्नाइडर ने कहा, सरकारी संगठन विरासत आईटी का आधुनिकीकरण करना जारी रखे हुए हैं और उन पहलों में निवेश कर रहे हैं जो डिजिटल सेवाओं तक पहुंच में सुधार करते हैं क्योंकि संघटक तेजी से मांग वाले अनुभवों की मांग करते हैं जो निजी क्षेत्र में ऑनलाइन ग्राहक बातचीत के बराबर हैं। उन्होंने कहा कि टोटल एक्सपीरियंस (टीएक्स) फ्रेमवर्क, जो एजेंसियों को कर्मचारी और नागरिक बातचीत को प्रबंधित करने में मदद करता है, परिवर्तन को सक्षम कर रहा है और 2023 में आईटी खर्च के मुख्य चालकों में से एक रहेगा। अगले साल, सरकारी आईटी खर्च उपकरणों को छोड़कर सभी क्षेत्रों में बढ़ने का अनुमान है, क्योंकि सरकार के अंतिम उपयोगकर्ता अपने उपकरणों के उपयोगी जीवन का विस्तार करते हैं जो महामारी की शुरुआत में हासिल किए गए थे।

गार्टनर की प्रधान विश्लेषक अपेक्षा कौशिक ने कहा, इन प्राथमिकताओं को पूरा करना एक साझा, संगठन-व्यापी डिजिटल विजन स्थापित करने और उस विजन को उद्यम-स्तर की रणनीतियों में एकीकृत करने पर निर्भर करता है। कौशिक ने कहा कि इन प्राथमिकताओं के अनुरूप, साइबर सुरक्षा, एप्लिकेशन आधुनिकीकरण, क्लाउड प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी एकीकरण तकनीकों और व्यापार/डेटा एनालिटिक्स टूल में निवेश बढ़ेगा।

आसानी से ग्रुप्स को सर्च करने के लिए व्हाट्सएप ने रिलीज किया नया फीचर

सैन फ्रांसिस्को।

मेटा-स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने एक नया फीचर शुरू किया है जो यूजर्स को डेस्कटॉप वर्जन पर एक कॉन्टेक्ट नाम दर्ज करके ग्रुप्स को खोजने की क्षमता देता है।वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, यह फीचर कुछ यूजर्स को लेटेस्ट व्हाट्सएप डेस्कटॉप अपडेट इंस्टॉल करने के बाद दिखाई दिया। नए फीचर के साथ, उपयोगकर्ता सर्च बार में अपना नाम दर्ज करके कॉन्टेक्ट के साथ अपने हाल के सभी ग्रुप्स की एक सूची प्राप्त कर सकते हैं। यह उन उपयोगकर्ताओं के लिए मददगार है जो प्लेटफॉर्म पर कई ग्रुप्स में शामिल हुए हैं और किसी विशिष्ट कॉन्टेक्ट के साथ ग्रुप का नाम याद नहीं रखते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले दिनों में इसे और लोगों तक पहुंचाया जाएगा। पिछले महीने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म कथित तौर पर व्हाट्सएप डेस्कटॉप बीटा के भविष्य के अपडेट के लिए ग्रुप चैट के लिए म्यूट शॉर्टकट पर काम कर रहा था। म्यूट शॉर्टकट ग्रुप चैट में सबसे ऊपर दिखाई देगा और ग्रुप में प्राप्त मैसेजिस की सूचनाओं को अक्षम करने में यूजर्स की मदद करेगा। इस बीच, इस महीने की शुरुआत में मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने घोषणा की थी कि कंपनी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर डिजिटल अवतार ला रही है।

प्रोडक्शन शुरू होने से पहले टेस्ला साइबरट्रक की बॉडी को देखा गया

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की बहुप्रतीक्षित साइबरट्रक को टेक्सास में इसके प्रोडक्शन की आगामी शुरुआत से पहले काम करते हुए देखा गया है। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 1.5 मिलियन लोग टेस्ला साइबरट्रक में रुचि रखते हैं। पिछले वर्ष के दौरान, अंतिम विनिर्देशों और मूल्य निर्धारण के साथ एक प्रोडक्शन वर्जन अपडेट की उम्मीद की गई थी, हालांकि, कंपनी ने इलेक्ट्रिक ट्रक के बारे में चुप रहने का फैसला किया, जिसमें पहले से ही कई देरी थी। कंपनी ने पहली बार 2019 में साइबरट्रक की घोषणा की थी। टेस्ला ने दावा किया था कि इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक 2021 के अंत तक बाजार में आ जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे ही समय सीमा नजदीक आया, कंपनी ने घोषणा की कि 2022 तक उत्पादन में देरी हुई है। मार्च में, मस्क ने टेस्ला साइबरट्रक के बारे में एक टिप्पणी की थी और कहा था कि ऑटोमेकर का लक्ष्य इस साल 2023 में प्रोडक्शन के लिए साइबरट्रक के विकास को पूरा करना है। गिगाफैक्ट्री बर्लिन में मॉडल वाई डिलीवरी की शुरुआत के लिए एक कार्यक्रम के दौरान, एक कर्मचारी ने मस्क से टेस्ला के अल्पकालिक लक्ष्यों के बारे में पूछा था। मस्क ने जवाब दिया, हम इस साल साइबरट्रक के विकास को पूरा करना चाहते हैं और अगले साल प्रोडक्शन के लिए तैयार रहना चाहते हैं।

Sports

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 50 जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय कप्तान बनी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जीत के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हरमनप्रीत बतौर कप्तान टी20 में 50 जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय कप्तान बन गई हैं। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने 85 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसमें उनकी जीत का आंकड़ा 61.59 रहा है। यहां तक कि पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली भी इस आंकड़े तक नहीं पहुंचे थे। इसके अलावा टीम इंडिया के वर्तामान कप्तान रोहित शर्मा भी टी20 में 50 जीत से अभी बहुत दूर हैं। धोनी ने 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 41 मैच जीते हैं जबकि कोहली 50 मैचों में भारत के कप्तान थे और उनके नेतृत्व में टीम ने 30 मैच जीते थे। इस प्रकार उनका जीत प्रतिशत 64.58 रहा था रोहित ने अब तक 51 मैचों में कप्तानी की हैं जिसमें 39 जीत के साथ ही उनका जीत प्रतिशत 76.47 रहा है।

फीफा विश्व कप 2022 में शानदार सेमीफाइनल होने की संभावना

दोहा, (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में क्रोएशिया, अर्जेंटीना से और फ्रांस, मोरक्को से भिड़ेगा, ऐसा लग रहा है कि वे मैदान पर प्रतिभा और कड़ी मेहनत से एक-दूसरे को टक्कर देंगे। क्रोएशिया, ब्राजील के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में चार साल में दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा। हार के बाद ब्राजील की टीम काफी भावुक हो गई। अनुभवी मिडफील्डर लुका मोड्रिक और डिफेंडर डेजन लॉरेन के शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ क्रोएशियाई लोगों की हार न मानने वाली भावना ने एक अच्छा डिफेंडिंग प्रदर्शन देखा। यह दर्शाता है कि एक टीम जिसने हाल के प्रमुख टूर्नामेंटों के नॉकआउट चरणों में शानदार प्रदर्शन किया, वह हारना नहीं जानती है। इस बारे में समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में जानकारी दी गई। अंतिम चार में लगभग हर टीम में एक असाधारण खिलाड़ी है, और अर्जेंटीना के लिए, निश्चित रूप से, यह 35 वर्षीय लियोनेल मेसी है, जो लगभग निश्चित रूप से अपना आखिरी विश्व कप खेल रहे हैं। वह एक मिशन के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि उन्हें अंतिम 16 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में गोल करते देखा गया। मेसी के पास जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज के रूप में सक्षम स्ट्राइकर हैं, जबकि शूटआउट हीरो एमिलियानो मार्टिनेज एक शानदार डिफेंडर हैं, लेकिन अर्जेंटीना की समग्र भावना यह है कि वे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का एक समूह हैं। इसका श्रेय अर्जेंटीना के खिलाड़ियों और कोच लियोनेल स्कालोनी को जाता है, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि बुधवार का सेमीफाइनल शानदार होने के बजाय कठिन और सामरिक होने वाला है। मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने अपनी टीम को इस विश्व कप का रॉकी बताया, जब उनकी टीम ने पुर्तगाल को हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बन गई, और यह शायद एक उचित विवरण है।

गोलकीपर बोनो ने पुर्तगाल की ओर से फेंकी गई हर चीज को रोक दिया, मोरक्को ने जल्दी गोल किया और फिर सुनिश्चित किया कि पुर्तगाल आगे ना बढ़े। उन्होंने इस कारण के लिए पूरी प्रतिबद्धता दिखाई और प्रशंसकों से भरे स्टेडियम ने उन्हें इतिहास बनाने के लिए तैयार किया। मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने अपनी टीम को इस विश्व कप का रॉकी बताया, जब उनकी टीम ने पुर्तगाल को हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बन गई, और यह शायद एक उचित विवरण है।

कोहली ने रोनाल्डो के लिए लिखा इमोशनल नोट, कहा- आप मेरे लिए महान खिलाड़ी हैं

(एजेंसी)

पुर्तगाल के फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो के विश्व कप का सपना टूटने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने उनके लिए एक इमोशनल नोट लिखा है। क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-1 की हार के बाद पुर्तगाल 2022 विश्व कप से बाहर हो गया। कोहली ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, इस खेल में और दुनिया भर के खेल प्रशंसकों के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए कोई ट्रॉफी या कोई खिताब नहीं है। कोई भी आपके प्रभाव की व्याख्या नहीं कर सकता है और जब हम देखते हैं तो मैं और दुनिया भर के कई लोग क्या महसूस करते हैं, आप नहीं समझ सकते। उन्होंने कहा, यह भगवान की ओर से एक उपहार है। एक ऐसे व्यक्ति के लिए एक वास्तविक आशीर्वाद जो हर बार अपने दिल से खेलता है और कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सच्ची प्रेरणा है। आप मेरे लिए सबसे महान खिलाड़ी हैं। मोरक्को से हार निश्चित रूप से फुटबॉल के मेगा टूर्नामेंट में 37 वर्षीय खिलाड़ी की आखिरी उपस्थिति थी। पूर्व मैनचेस्टर युनाइटेड, रियाल मैड्रिड और जुवेंटस स्टार ने अंतिम सीटी बजने के तुरंत बाद भावुक होकर मैदान से बाहर जाते हुए दिखाई दिए। 195 मैच में शिरकत करने और अपने देश के लिए रिकॉर्ड 118 गोल करने वाले रोनाल्डो संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में अगला विश्व कप शुरू होने पर 41 वर्ष के हो जाएंगे।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप : संस्कृति बाना को हराकर चैम्पियन बनी दिव्या

भोपाल । कर्नाटक की दिव्या टीएस ने 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की संस्कृति बाना को हराकर अपना पहला महिला 10 मीटर एयर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब हासिल किया। दिव्या ने स्वर्ण पदक के मैच में संस्कृति को 16-14 से हराया। इस स्पर्धा में हरियाणा की रिदम सांगवान ने कांस्य पदक जीता। ओलंपियन मनु भाकर ने जूनियर महिला एयर पिस्टल का खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में तेलंगाना की ईशा सिंह को 17-13 से शिकस्त दी। रिदम ने इस स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। उन्होंने हालांकि युवा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। युवा वर्ग के फाइनल में रिदम ने संस्कृति को 16-12 से हराया। महिलाओं के क्वालीफिकेशन दौर में मनु 583 अंक के साथ शीर्ष पर थी जबकि दिव्या (578) तीसरे, संस्कृति (577) चौथे, ईशा (576) पांचवें और रिदम (575) छठे स्थान पर थी। दिव्या ने इसके बाद रैंकिंग दौर में 254.2 अंक के साथ शीर्ष जबकि संस्कृति (251.6) ने दूसरा स्थान हासिल किया।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में भी पाकिस्तान को हराकर सीरीज अपने नाम की

मुल्तान ।

इंग्लैंड ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान को 27 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। पाक की टीम यहां मुल्तान में एक समय अच्छी हालत में थी पर इंग्लैंड ने मैच में जबरदस्त वापसी की और देखते ही देखते मैच अपने नाम कर लिया। वहीं इससे पहलेइंग्लैंड ने रावलपिंडी में खेला गया पहला मैच भी 74 रनों से जीता था। इस प्रकार 22 साल बाद इंग्लैंड ने पाक में कोई टेस्ट सीरीज जीती है। इससे पहले साल 2000/01 में इंग्लैंड ने 1-0 से सीरीज जीती थी। इस मैच में बेन डकेट और ओली पोप के अर्धशतक से इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 281 बनाये। यहां पाक के अबरार अहमद ने पहली पारी में 7 विकेट लेकर इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। वहीं इसके बाद पाक की टीम भी पहली पारी में 202 रनों पर ही सिमट गयी। सऊद शकील को छोड़कर कोई भी पाक बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। इंग्लैंड के जैक लीच ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। इसके बाद दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 275 रन बनाये। हैरी ब्रूक ने शतक (109) रन बनाये। इसके अलावा दूसरी पारी में भी बेन डकेट ने भी 79 रन बनाये। पहली पारी में मिल बढ़त के आधार पर मेहमान टीम इंग्लैंड ने पाक को जीत के लिए 355 रनों का लक्ष्य दिया पर पाक की टीम 328 रनों पर ही आउट हो गयी। पाक की दूसरी पारी में शुरुआत अच्छी रही अब्दुल्लाह शफीक ने 45 रन बनाये पर कप्तान बाबर आजम केवल एक रन ही बना पाये।

दूसरी पारी में सऊद शफीक 94 बनकार एक छोर पर जमे रहे। सऊद के साथ इमाम उल हक ने भी 60 रनों की पारी खेली. इमाम-सऊद की शतकीय साझेदारी और उसके बाद सऊद-नवाज़ की 80 रनों की साझेदारी के बाद पाक टीम जीत के काफी करीब पहुंच गयी थी पर इनके बाद पाक का कोई भी बल्लेबाज रन नहीं बना पाया जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया। वहीं इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। पाकिस्तान को घर में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज में हार मिली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उसे 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से हराया था।

संक्षिप्त समाचार

फीफा विश्व कप 2022 फाइनल की आधिकारिक मैच बॉल होगी अल हिल्म

मुंबई, (एजेंसी)

एडिडास ने सोमवार को अल हिल्म को लॉन्च किया, जो फीफा विश्व कप कतर 2022 के सेमीफाइनल और फाइनल के लिए आधिकारिक मैच बॉल है। अल हिल्म, जो अरबी में द ड्रीम के रूप में अनुवाद करता है, समूह चरणों की आधिकारिक मैच बॉल, अल रिहला से आगे बढ़ाई गई है, जो द जर्नी के रूप में अनुवादित था। दोनों गेंदों में एक ही तकनीक है, जो उच्चतम खेल गति के लिए बनाई गई है, क्योंकि वे किसी भी अन्य विश्व कप गेंद की तुलना में तेजी से उड़ान भरती हैं। अल हिल्म को एक अद्वितीय ग्राफिक डिजाइन के साथ बनाया गया है, जो फीफा विश्व कप के फाइनल मैच जैसे ऐतिहासिक अवसर के लिए उपयुक्त है। डिजाइन एक बनावट वाले सोने के आधार रंग पर सेट किया गया है, जिसमें एक सूक्ष्म त्रिकोणीय पैटर्न है, जो शहर के चारों ओर के क्षेत्र के शानदार रेगिस्तान से की झलक दिखलाता है, फीफा विश्व कप ट्रॉफी का रंग और कतर ध्वज का पैटर्न भी शामिल है। एडिडास के महाप्रबंधक निक क्रेग्स ने कहा, अल हिल्म दुनिया को एक साथ लाने के लिए खेल और फुटबॉल की शक्ति पर एक प्रकाशस्तंभ का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया भर के लगभग हर देश से लाखों लोग खेल के प्रति अपने जुनून से एकजुट होंगे। हम अंतिम चरण में शामिल सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं। क्योंकि वे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

बटलर को नवंबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर को नवंबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला है। बटलर ने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। बटलर ने इस दौरान अपने प्रदर्शन से यह दिखा कि क्यों उन्हें सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। बटलर के शानदार प्रदर्शन की शुरुआत नवम्बर में न्यूजीलैंड पर 20 रन की जीत के साथ शुरु हुई थी। तब उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था। अपना 100वां टी20 मैच खेलते हुए इस सलामी बल्लेबाज ने 47 गेंदों में 73 रन बनाकर इंग्लैंड के लिए अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के लिए 169 रनों का पीछा करते हुए उन्होंने 49 गेंदों में 80 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई थी। एलेक्स हेल्स के साथ उनकी 170 की रिकॉर्ड शुरुआती साझेदारी ने टीम ने शानदार जीत हासिल की। भले ही फाइनल में उनका स्कोर कम रहा। लेकिन बटलर ने पाकिस्तान के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ 26 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने अपनी शानदार कप्तानी के साथ पाक को हार पर विवश कर दिया और इंग्लैंड के लिए दूसरी टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीती। बटलर ने आईसीसी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा मैं नवंबर के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में मतदान करने के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह पुरस्कार मेरे टीम के साथियों के प्रयासों के लिए है जो कि क्रिकेट का सबसे अविश्वसनीय महीना था जिसका अंत ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप जीतने के साथ हुआ।

भारत का बिग बैंग आईईएसएफ एशिया ओपन ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

मुंबई, (एजेंसी)

इंटरनेशनल एस्पोर्ट्स फेडरेशन (आईईएसएफ) ने अगले साल 30 जनवरी से 15 मार्च तक पहले एशिया ओपन ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप (एशिया ओपन) शुरू करने के लिए भारत के बिग बैंग मीडिया वेंचर्स (बीबीएमवीपीएल) के साथ हाथ मिलाया है। अब तक आयोजित किए गए सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक, एशिया ओपन में एशिया और मध्य पूर्व के करीब 40 देशों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जो गेमर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और समुदायों का निर्माण करने के लिए एक अभूतपूर्व मंच प्रदान करेगा। अपने पहले सीजन में ऑनलाइन आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बेहद लोकप्रिय ई-फुटबॉल गेम, पीईएस सहित 4 प्रमुख ईस्पोर्ट्स खिताब शामिल होंगे। एस्पोर्ट्स-फॉर-ऑल के सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध, एशिया ओपन तीन कौशल-आधारित श्रेणियों के साथ प्रत्येक गेमर को मौका देगा। अब तक आयोजित किए गए सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक, एशिया ओपन में एशिया और मध्य पूर्व के करीब 40 देशों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जो गेमर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और समुदायों का निर्माण करने के लिए एक अभूतपूर्व मंच प्रदान करेगा।

भारतीय क्रिकेट जगत ने युवराज सिंह को उनके 41वें जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली,

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के 41वें जन्मदिन पर भारतीय क्रिकेट जगत ने उन्हें शुभकामनाएं दी है। युवराज ने 2019 में खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले ली थी। उन्होंने 40 टेस्ट, 304 वनडे और 58 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें सभी प्रारूपों में 11,000 से अधिक रन बनाए। उन्होंने 15 साल से अधिक के शानदार करियर में 17 शतक और 51 अर्धशतक लगाए। बाएं हाथ के खिलाड़ी युवराज सिंह भारतीय टीमों का भी हिस्सा थे, जिसने 2007 में टी20 विश्व और 2011 में वनडे का विश्व कप जीता था। जैसे ही युवराज सोमवार को 41 साल के हुए, क्रिकेट जगत ने भारत के पूर्व स्टार को शुभकामनाएं दीं। कू ऐप पर मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज दीपक हुड्डा ने लिखा, हैप्पी बर्थडे युवराज सिंह पाजी, आप मैदान के अंदर और बाहर हमेशा प्रेरणा रहे हैं। भारत आप जैसा फाइटर पाकर धन्य है। आप हमेशा नीली जर्सी में मैदान पर याद आएंगे। हैप्पी बर्थडे युवराज सिंह। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने युवराज सिंह की तस्वीर साझा की और उन्हें शुभकामनाएं दी। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे मैच के लिए वनडे टीम में वापसी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने ड्रेसिंग रूम में युवी के साथ अपनी खास फोटो शेयर करते हुए कहा, आपको खेलते देखना एक अद्भुत अनुभव। हैप्पी बर्थडे युवराज सिंह पाजी। दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभम गिल, युवराज को अपने गुरु के रूप में देखते हैं। उन्होंने भी उन्हें उनके जन्मदिन पर बधाई दी और एक विशेष पोस्ट लिखकर कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के एक महान खिलाड़ी हैं और उनके मार्गदर्शन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। युवराज ने हाल ही में गिल की प्रशंसा की थी। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे मैच के लिए वनडे टीम में वापसी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने ड्रेसिंग रूम में युवी के साथ अपनी खास फोटो शेयर करते हुए कहा, आपको खेलते देखना एक अद्भुत अनुभव। हैप्पी बर्थडे युवराज सिंह पाजी।

ऑस्ट्रेलिया को झटका तेज गेंदबाज हेजलवुड पहले टेस्ट से बाहर हुए

ब्रिसबेन । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गाबा में शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच से बाहर हो गये हैं। हेजलवुड की जगह पर अब स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर में से किसी को शामिल किया जा सकता है। हेजलवुड और नियमित कप्तान पैट कमिंस वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में भी नहीं खेल पाए थे। तब बोलैंड और नेसर ने मिशेल स्टार्क के साथ तेज गेंदबाजी विभाग संभाली थी। कमिंस दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरज के लिए टीम में आ गये हैं पर तीसरे तेज गेंदबाज के लिए चयनकर्ताओं को बोलैंड और नेसर में से किसी एक को शामिल करना होगा। बोलैंड ने चार टेस्ट मैचों में 10.33 की औसत से 21 विकेट लिए हैं पर गाबा नेसर का घरेलू मैदान है और वह यहां के हालातों को अच्छी तरह जानते हैं। ऐसे में उन्हें अवसर मिलने की अधिक संभावना है। कमिंस ने कहा कि वह ब्रिसबेन टेस्ट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं पर हेजलवुड अभी तक ठीक नहीं हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज लांस मॉरिस और बल्लेबाज मार्कस हैरिस को भी 14 सदस्यीय टीम में जगह दी है।

एफआईएच नेशंस कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने चिली को 3-1 से हराया

वालेंसिया (स्पेन),

प्रो लीग में वापसी की उम्मीद में भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार दोपहर चिली के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज करके एफआईएच महिला नेशंस कप 2022 जीतने के अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। भारत के लिए संगीता कुमारी (3), सोनिका (11) और नवनीत कौर (32) ने गोल किए जबकि चिली के लिए एकमात्र गोल फर्नांडा विलग्रान (44) ने किया। भारत खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है, क्योंकि विजेता को एफआईएच प्रो लीग के अगले सत्र में पदोन्नत किया जाएगा। शीर्ष गोलकीपर सविता की अगुआई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत की, जिससे अपने विरोधियों पर उनका इरादा बिल्कुल स्पष्ट हो गया। फॉर्म में चल रही संगीता कुमारी ने खेल के तीसरे मिनट में गोल किया। अनुभवी फारवर्ड वंदना कटारिया ने दाहिने फ्लैंक में शानदार टैकल से गोल सेट किया और गेंद को संगीता की ओर धकेला, जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। उनके गोल ने भारत को चिली पर बढ़त दिला दी, मैच के बाद के मिनटों में वह इस गति को बढ़ाते चले गए। उन्होंने अपने आक्रमण में अच्छी गति से खेला। भारत ने 11वें मिनट में अपनी बढ़त को 2-0 से आगे बढ़ाया, जब संगीता ने सोनिका को गोल में तब्दील करने में मदद की। बाएं किनारे पर तैनात सोनिका ने सटीक डिफ्लेक्शन पाया, जिससे भारत को मजबूत बढ़त मिली। हॉकी इंडिया की वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार के मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए सोनिका को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरे क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर की आक्रामक शुरुआत की। इस बार, नेहा गोयल ने स्कोरिंग का मौका बनाया, जब उन्होंने एक एरियल पास लिया और नवनीत को भारत का तीसरा गोल करने में मदद की। 32वें मिनट में कार्नर पर एक गोल करने में कामयाबी हासिल की। उनके गोल ने भारत को चिली पर बढ़त दिला दी, मैच के बाद के मिनटों में वह इस गति को बढ़ाते चले गए। उन्होंने अपने आक्रमण में अच्छी गति से खेला।

किए गए इस गोल ने मैच के दूसरे हाफ में भारत को अच्छी जगह पर पहुंचा दिया। इस बीच भारत की रक्षापंक्ति ने बिना कोई गोल गंवाए अपना बोलबाला कायम रखा। हालांकि चिली ने 44वें मिनट में फर्नांडा विलग्रान के जरिए पेनल्टी

आज अर्जेंटीना को हराकर फाइनल में जगह बनाने उतरेगी क्रोएशिया

अल खोर। क्रोएशिया की टीम अब मंगलवार को होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के सेमीफाइनल मुकाबले में लियोनन मेसी की अर्जेंटीना को हराकर फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। क्रोएशियाई टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को हराया था। इससे उसके हौंसले बुलंद बने हुए हैं। पिछली बार की उपविजेता क्रोएशिया को लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचने का अवसर मिला है जिसे वह पूरा करने में कोई कसर नहीं रखेगी।। इस मैच में सभी की निगाहें मेसी पर रहेंगे। वहीं मेसी भी इस बार विश्वकप जीतने का अवसर नहीं खोना चाहेंगे। साल 2018 में फाइनल में फ्रांस से हारने वाली क्रोएशिया का लक्ष्य इस बार किसी भी प्रकार खिताब हासि करना है। क्रोएशियाई डिफेंडर जोसिप जुरानोविच ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि हमें मेसी या किसी खिलाड़ी से डरने की जरूरत है। हमें केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा 'हमारी सफलता का रहस्य हमारी एकजुटता है। हम एक परिवार की तरह रहते हैं और उसी तरह से अपना खेल दिखाते हैं। क्रोएशिया ने स्टार खिलाड़ी नेमार के होते हुए भी क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। अर्जेंटीना को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मेसी की अहम भूमिका रही है। इसलिए वह अपनी ओर से बेहतरीन प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। उन्होंने अब तक पांच मैचों में चार गोल किए हैं। क्रोएशिया के स्ट्राइकर ब्रूनो पेटकोविच ने कहा 'हमने मेसी के लिए अभी तक कोई विशेष रणनीति नहीं बनाई है। हम किसी एक खिलाड़ी पर नहीं बल्कि पूरी टीम पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा 'इसी रवैए को लेकर मैदान पर उतर कर हमें विरोधी टीम पर दबाव बनाये रखना होगा। क्योंकि अर्जेंटीना का मतलब केवल मेसी नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

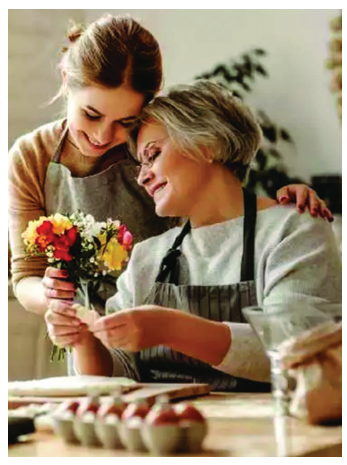

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

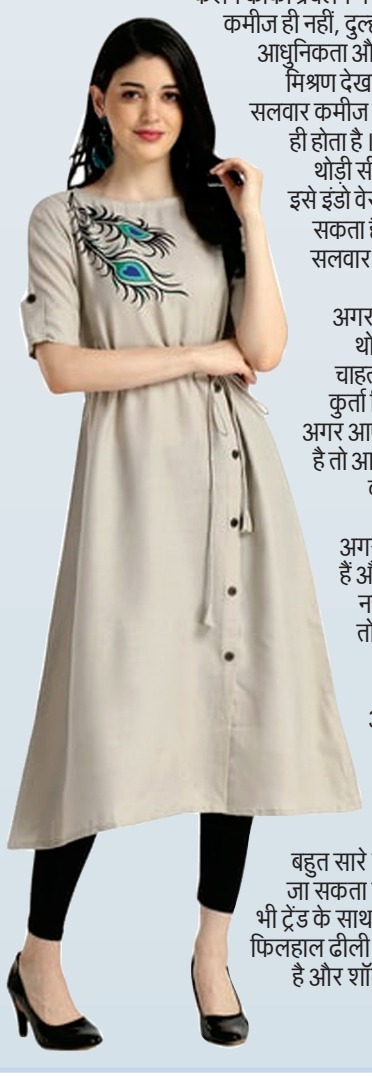

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5 '3 '' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

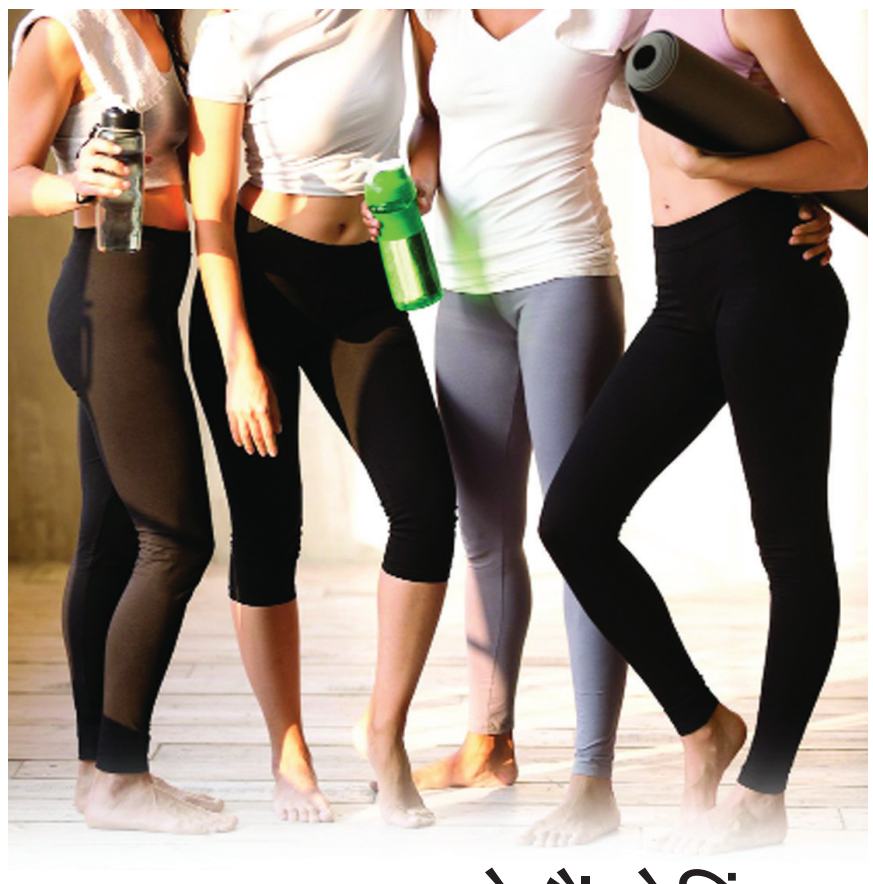

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कनाडा में सिखों के खिलाफ एक और जानलेवा हमला, भारतीय मूल के 24 वर्षीय नराज सिंह की गोली मारकर हत्या

कनाडा के अलबर्टा प्रांत में भारतीय मूल के एक 24 वर्षीय सिख व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने हत्या को उसकी मौत का कारण बताया है। इस महीने कनाडा में इस तरह की यह दूसरी घटना है। पीड़ित की पहचान सनराज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने जानकारी दी कि अलबर्टा की राजधानी एडमॉन्टन के 51 स्ट्रीट और 13 एवेन्यू के इलाके में 3 दिसंबर को रात करीब 8:40 बजे गोली चलने की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि संराज सिंह एक वाहन में बेहोशी की हालत में बैठा मिला। उन्होंने बताया कि आपातकालीन चिकित्सा सेवा के आने और उसे मृत घोषित करने तक पुलिस ने सीपीआर किया। पुलिस के मुताबिक, एक संदिग्ध वाहन को इलाके से निकलते हुए देखा गया था और हत्या जांचकर्ताओं ने इसकी तस्वीरें जारी की थीं। पुलिस ने बताया कि निवासियों को 3 दिसंबर की रात किसी भी संदिग्ध गतिविधि के लिए अपने सीसीटीवी कैमरे या डैशकैम फुटेज की जांच करने के लिए भी कहा गया था। 3 दिसंबर को ओंटारियो प्रांत में एक 21 वर्षीय सिख महिला पवनप्रीत कौर की 'लक्षित' हमले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नवंबर में, एक 18 वर्षीय भारतीय मूल के किशोर, महकप्रीत सेठी की ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक हाई स्कूल पार्किंग में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। देश में 788 होमिसाइड की सूचना देने वाली पुलिस सेवाओं के अनुसार, कनाडा में नेशनल होमिसाइड रेट 2021 में तीन प्रतिशत बढ़ा।

सीमा पर अफहान बलों की गोलीबारी में 6 पाक नागरिकों की मौत 17 घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच बॉर्डर पर संघर्ष जारी है। पाकिस्तानी सेना ने जानकारी दी कि रविवार को अफगान बलों द्वारा भारी गोलाबारी की गई जिस वजह से पाकिस्तान में सीमा पार 6 नागरिकों की मौत हो गई और 17 अन्य बुरी तरह से घायल हो गए हैं। इसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में चमन सीमा पार से जवाबी कार्रवाई की। पाकिस्तान ने स्थिति की गंभीरता को उजागर करने और घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग करने के लिए काबुल से भी संपर्क किया था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की रिपोर्ट के अनुसार अफगान सरकार ने कथित तौर पर हमलों में तोपखाने और मोर्टार का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि तालिबानी सेना हमारे देश के नागरिकों को निशाना बना रही है इसलिए इसकी गंभीरता को उजागर करने की आवश्यकता है। वहीं अफगानिस्तान के कंधार पुलिस प्रवक्ता का कहना है सीमा पार से गोलाबारी में एक अफगान सैनिक की मौत हो गई और तीन नागरिकों सहित 10 अन्य लोग घायल हो गए हैं। इसी तरह से दोनों देशों के बीच पिछले महीने भी झड़पें हुई थीं। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने कहा कि चमन में व्यापार और पारगमन के लिए इस्तेमाल होने वाली व्यस्त अफगान सीमा को बंद कर दिया गया था। इसी तरह की झड़पों के बाद पिछले महीने कई दिनों तक क्रॉसिंग को बंद रखा गया था। इसके बाद भी तालिबान के साथ पाकिस्तान सेना की मुलाकात का कोई नतीजा नहीं निकल पाया। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता काबिज होने के बाद से पाकिस्?तान-अफगान सीमा डूरंड लाइन पर दोनों देशों की स्थिति और तनावपूर्ण होने लगी है। तालिबान का आरोप है कि पाकिस्तानी सैनिक अक्सर अफगान इलाके में ताक-झांक करते हैं वे डूरंड लाइन पर बाड़ लगाने का प्रयास करते हैं। जिसका तालिबान अब विरोध कर रहा है। तालिबान इसका विरोध कर रहा है यह पाकिस्तान को हैरान कर रहा है। क्योंकि तालिबान को अफगानिस्तान में सत्ता में लाने के लिए पाक ने भी मदद की है। पाकिस्तान ने सोचा था कि तालिबान इसका विरोध नहीं करेगा उनका काम और आसान हो जाएगा। लेकिन यहां मामला और गड़बड़ा गया है।

गुतारेस ने मानवाधिकारों के साथ ही पर्यावरण कार्यकर्ताओं की रक्षा पर जोर दिया

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्होंने भारत और वियतनाम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के रक्षकों के साथ ही पर्यावरण कार्यकर्ताओं की रक्षा की महत्ता पर जोर दिया। गुतारेस ने कहा मैं जो प्रमुख संदेश साफ तौर पर देना चाहता हूं वह यह है कि मानवाधिकार सभी पर्यावरणीय चिंताओं के केंद्र में होगा। एक और बात जो मुझे चिंतित करती है वह मानवाधिकार के रक्षकों के साथ ही पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न की है।''गुतारेस सरकारों द्वारा पर्यावरण संबंधी प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि यह 'पूरी तरह से अस्वीकार्य' है कि वे मानवाधिकार उल्लंघनों का शिकार हो रहे हैं और 'हम जानते हैं कि उनमें से कुछ जेलों में हैं कुछ को धमकाया गया है और कुछ ने अपनी जान तक गंवा दी है।

बर्फ टूटी तो पानी में समा गए जमी हुई झील पर खेल रहे थे 6 बच्चे 4 को रेस्क्यू किया दो अब भी लापता

लंदन । सर्दियों के मौसम में जमी हुई झीलों और तालाबों पर खेलना और फिसलना मजेदार तो है लेकिन यह बेहद खतरनाक भी साबित हो सकता है। कुछ मामलों जान जाने का भी खतरना हो सकता है। ब्रिटेन में एक जमी हुई झील पर खेलते हुए छह बच्चों के साथ अनहोनी हो गई। जब वे फिसलकर खेल रहे थे उसी समय बर्फ की पतली परत टूटी और वे झील में समा गए। इनमें से चार बच्चों को रेस्क्यू कर लिया गया है जबकि दो अब तक लापता हैं। उनकी तलाश के लिए अभियान चलाया गया है। आशंका जताई जा रही है कि झील में डूबे दो बच्चे जान गंवा चुके हैं जबकि रेस्क्यू किए चार बच्चे अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि जमा देने वाले पानी से निकाले गए सभी बच्चे कार्डियक अरेस्ट का शिकार हुए हैं और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चों को बचाने के लिए पुलिसकर्मी खुद पानी में उतर गए थे। पानी में डूबे बच्चों को बचाने का अभियान रात भर चला। दो बच्चे अब भी लापता हैं। बचावकर्मियों ने बताया छह बच्चे जमी हुई झील पर खेल रहे थे। इनमें से कभी निकाल लिया गया है लेकिन दो बच्चे अब भी लापता हैं। डॉक्टरों को डर है कि दो लापता बच्चे उनकी उम्र पानी का तापमान और उसमें बिताए गए समय की अवधि की वजह से वे अब जीवित नहीं होंगे। रेस्क्यु ऑपरेशन में विशेषज्ञ गोताखोरों की भी मदद ली गई। यह हादसा स्थानीय लोगों के लिए बेहद तकलीफदेह है। माना जा रहा है कि बच्चे जमे हुए पानी पर खेल रहे थे जब बर्फ टूटने से वे झील में डूब गए। चश्मदीदों का कहना है कि दो बच्चों के नीचे की बर्फ टूटी थी जबकि बाकी उनकी मदद करने में डूब गए। माना जाता है कि बच्चे प्राइमरी स्कूल की उम्र के थे। उन्हें पानी से बाहर लाया गया और सीपीआर दिया गया। बचाव अभियान के दौरान एक पुलिसकर्मी को भी हल्का हाइपोथर्मिया हुआ और एहतियात के तौर पर उसे अस्पताल ले जाया गया। वेस्ट मिडलैंड फायर सर्विस के रिचर्ड स्टैंटन ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा जब फायर सर्विस की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची तो हमे पता चला कि पानी में संभावित रूप से छह लोग हैं। आगामी सर्दियों को लेकर उन्होंने वयस्कों और बच्चों को समान रूप से खुले पानी और बर्फ से दूर रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद है। किसी भी परिस्थिति में बर्फ पर न जाएं चाहें वह आपको कितनी भी सुरक्षित और मोटी क्यों न लगे।

जांबिया पुलिस ने 27 इथियोपियाई लोगों के शवों की खोज की घोषणा की

लुसाका। जांबिया की राजधानी लुसाका में रविवार को 27 लोगों के शव बरामद किए गए जिनके बारे में माना जाता है कि ये सभी इथियोपियाई नागरिक थे। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। उप पुलिस जनसंपर्क अधिकारी डेनी मवाले ने एक बयान में कहा कि पुलिस जांच से पता चलता है कि ''20 से 38 वर्ष की आयु के सभी पुरुषों के शवों को अज्ञात लोगों ने (लुसाका) के एनजीवेरेरे क्षेत्र में फेंक दिया था।'' मवाले ने कहा, ''माना जाता है कि वे सभी इथियोपियाई नागरिक थे।'' उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति अब भी जिंदा है और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि 27 शवों को औपचारिक पहचान और पोस्टमॉर्टम के लिए यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल के शवगृह में ले जाया गया है। मवाले ने कहा कि पुलिस और अन्य सुरक्षा सेवाएं इस मामले की जांच कर रही हैं।

मैक्सिको में अमेरिकी नौसेना के डाइवर नासा के ओरियन कैपसूल में विंच कैबल्स लगाते हुए।

चीन में कहर भरपा रहा कोरोना आईसीयू मरीजों से भरे दवाओं की हो रही किल्लत

बीजिंग । चीन में पाबंदियों में छूट के बाद कोरोना फिर से कहरा भरपाने लगा है। मरीजों की संख्या में खतरनाक तरीके से इजाफा हुआ है। दवा की दुकानों पर लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। कमी के कारण कई जरूरी दवाओं की कीमतें आसमान छून लगी है। चिनफिंग सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने का प्रयास कर रही है। इसके तहत अस्पतालों में बड़े पैमाने पर आईसीयू खोले जा रहे हैं। सरकार ने साफ किया है कि कोरोना के प्रसार को हर हाल में रोकना हैं लेकिन विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए लाकडाउन या क्वारंटीन जैसे सख्त नियम फिर से लागू करना आसान नहीं है।

चीन में मेडिकल सप्लाई ठप पड़ी है। दवा की दुकानों पर लोगों की लंबी कतारें देखी जा रही है। हालात इतनी बुरी नजर आ रही है कि लोगों को दवा और अन्य मेडिकल संसाधनों के लिए उधर-उधर भटकने की नौबत आ गई है। वहीं जहां ये सामान उपलब्ध भी नजर आ रहे हैं वहां इनकी कीमतें आसमान पर हैं। इस कमी के मद्देनजर कोविड प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की गई है।

कोरोना के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर चीन अस्पतालों में व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोशिश कर रहा है और इसने गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) की संख्या बढ़ा दी है। यह व्यवस्था वायरस रोधी पाबंदियों को वापस लेने के बाद की गई है जिसने लोगों को उनके घर में बंद रहने के लिए मजबूर कर दिया था तथा आर्थिक विकास को भी धीमा कर दिया था और इसके विरोध में प्रदर्शन भी हुए थे।

चीन बना पूरी तरह से अंतरिक्ष स्टेशन वाला पहला देश, जानिए कैसा है 'तियांगोंग'

बीजिंग (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन अब एकमात्र ऐसा स्थान रहीं रह जाएगा, जिसमें मनुष्य कक्षा में रह सकते हैं। इस साल 29 नवंबर को चीन के गोबी डेजर्ट नामक स्थान से शेंजू 15 मिशन शुरू हुआ था, जिसके जरिए तीन अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। छह घंटे बाद वे अपने गंतव्य तक पहुंच गए। चीन ने हाल में अपना अंतरिक्ष स्टेशन तैयार किया है, जिसका नाम 'तियांगोंग' है। मंदारिन में 'तियांगोंग' का अर्थ 'स्वर्ग का महल' होता है। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए तीन अंतरिक्ष यात्री वहां पहले से मौजूद दल की जगह लेंगे, जिसने स्टेशन के निर्माण में मदद की है।

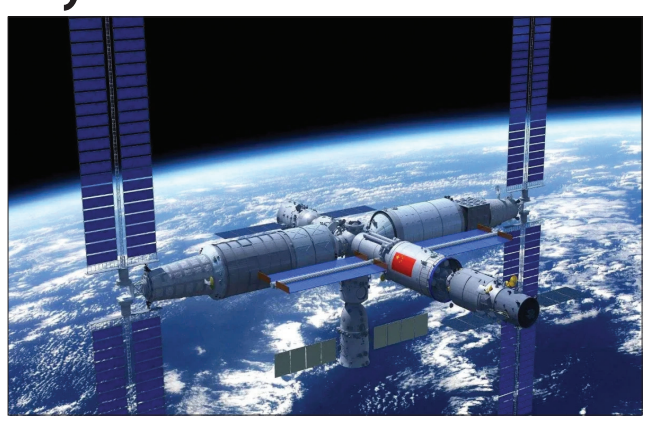

इस मिशन के सफल होने के साथ ही, चीन अपना स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन चलाने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया है। इस सफलता से अमेरिका और रूस जैसी दुनिया की दो शीर्ष अंतरिक्ष शक्तियों के बीच चीन की स्थिति मजबूत होगी। इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रॉम वर्कशॉप के स्पेस गवर्नेंस प्रोग्राम का नेतृत्व करने वाले अंतरिक्ष कानून व अंतरिक्ष नीति विद्वानों के रूप में हम रुचि के साथ चीनी अंतरिक्ष स्टेशन के विकास को देख रहे हैं। अमेरिकी नेतृत्व वाले 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन' के विपरीत, तियांगोंग पूरी तरह से चीन द्वारा निर्मित और संचालित है। स्टेशन का सफल उद्घाटन विज्ञान के कुछ रोमांचक पलों में शुमार है।

साथ ही स्टेशन देश की आत्मनिर्भरता की नीति पर भी प्रकाश डालता है। इसके अलावा यह अंतरिक्ष में शक्ति के बदलते परिदृश्य के बीच बड़ी अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने की दिशा में चीन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। -चीनी स्टेशन की क्षमताएं- चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम ने तीन दशक में तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन का काम पूरा किया है। स्टेशन 180 फीट (55 मीटर) लंबा है और इसमें तीन 'मॉड्यूल' शामिल हैं जिन्हें अलग से लॉन्च करने के बाद अंतरिक्ष में जोड़ा गया था। इनमें एक कोर 'मॉड्यूल' शामिल है जहां अधिकतम छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं।

इसके अलावा 3,884 क्यूबिक फुट (110 क्यूबिक मीटर) के दो मॉड्यूल हैं। स्टेशन के पास एक बाहरी रोबोटिक खंड भी है, जो स्टेशन के बाहर गतिविधियों और प्रयोगों पर नजर रखता है। आपूर्ति वाहनों और मानवयुक्त अंतरिक्ष यान के लिए तीन डॉकिंग पोर्ट हैं। चीन के विमान वाहकों और अन्य अंतरिक्ष यान की तरह तियांगोंग सोवियत-युग के डिजाइन पर आधारित है। यह 1980 के दशक के सोवियत अंतरिक्ष स्टेशन 'मीर' से काफी मिलता जुलता है। लेकिन तियांगोंग स्टेशन का काफी आधुनिकीकरण किया गया है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन 15 साल तक कक्षा में रह सकता है। जिसमें हर साल छह-छह महीने के लिए संचालन दल और कार्गो मिशन भेजने की योजना है।

स्टेशन में वैज्ञानिक परीक्षण पहले ही शुरू हो चुके हैं। इसकी शुरुआत स्टेशन के जैविक परीक्षण कैबिनेट में, बंदर प्रजनन से जुड़े एक योजनाबद्ध अध्ययन से हुई है। यह अध्ययन सफल रहेगा या नहीं यह एक अलग मामला है। तियांगोंग के निर्माण के साथ ही चीन एकमात्र ऐसा देश बन गया है जिसके पास पूरी तरह से एक अंतरिक्ष स्टेशन होगा और वह नासा के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का प्रतिस्पर्धी होगा, जिसकी स्थापना 1998 में की गई थी।

ईरान ने परमाणु बम बनाया तो खाड़ी के देश चुप नहीं रहेंगे सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फरहान ने दी चेतावनी

रियाद। सऊदी अरब के विदेश मंत्री राजकुमार फैसल बिन फरहान ने परमाणु बम बनाने की अटकलों के बीच ईरान को चेतावनी दी है। सऊदी विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान अगर परमाणु बम हासिल करता है तो खाड़ी देश भी अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठाएंगे। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष तरीके से परमाणु डील को लेकर बातचीत चल रही थी जो फिलहाल रुक गई है।

इस डील से साल 2018 में डोनाल्ड ट्रंप पीछे हट गए थे। वहीं संयुक्त राष्ट्र की परमाणु संस्था के मुखिया ने इस बात को लेकर चिंता जताई है कि ईरान ने परमाणु संवर्द्धन क्षमता को बढ़ाने का ऐलान किया है। प्रिंस फैसल बिन फरहान ने अबू धाबी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा अगर ईरान पूरी तरह से तैयार परमाणु बम हासिल करता है तो सभी रास्ते बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा इस इलाके में हम बहुत खतरनाक माहौल में हैं। आप अपेक्षा कर सकते हैं कि क्षेत्रीय देश निश्चित रूप से इस तरफ देखेंगे कि वे खुद अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं। ईरान के साथ पश्चिमी देशों की बातचीत बंद हो गई है। पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया है कि ईरान गैरजरूरी डिमांड कर रहा है।

पश्चिमी देशों का यह भी कहना है कि ईरान अपने यहां चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को हमेशा से ही संदेह की दृष्टि से देखता रहा है। प्रिंस ने कहा कि वह इस शर्त पर परमाणु डील को लेकर बातचीत को फिर से शुरू करने का समर्थन करता है कि यह तेहरान के साथ जोरदार डील के लिए एक शुरुआती बिंदु होना चाहिए अंतिम बिंदु नहीं। खाड़ी के अरब देशों ने एक मजबूत समझौते के लिए दबाव डाला है ताकि ईरान के मिसाइल ड्रोन कार्यक्रम और क्षेत्रीय छद्म चरमपंथी गुटों के नेटवर्क की चुनौती से निपटा जा सके। उनका इशारा हूती विद्रोहियों की ओर था जिसे ईरान का समर्थन हासिल है।

प्रिंस ने कहा दुर्भाग्य से संकेत बहुत सकारात्मक नहीं हैं। हम यह सुन रहे हैं कि ईरान की परमाणु हथियार कार्यक्रम में कोई रुचि नहीं है लेकिन हमें और ज्यादा आश्वासन की जरूरत है। वहीं ईरान ने हमेशा से ही दावा किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम नागरिक उद्देश्यों के लिए है। वहीं यूएई की ओर से यह भी मांग उठ रही है कि ईरान और रूस के बीच हथियार डील को देखते हुए पूरे परमाणु समझौते पर फिर से विचार किया जाए।

धार्मिक और अन्य समूहों द्वारा दुर्भावनापूर्ण दान अनुरोधों प्रतिबंधित : जपानी संसद

टोक्यो (एजेंसी)। जापानी संसद ने धार्मिक और अन्य समूहों द्वारा दुर्भावनापूर्ण दान अनुरोधों को प्रतिबंधित करने के लिए एक कानून बनाया जो मुख्य रूप से धार्मिक समूह 'यूनिफिकेशन चर्च को लक्षित करता है। यूनिफिकेशन चर्च की धन उगाहने की रणनीति और सत्तारूढ़ दल के साथ उसके मधुर संबंध के कारण काफी आलोचना हुई थी। जुलाई में पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के बाद जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ दक्षिण कोरियाई-आधारित धार्मिक समूह 'यूनिफिकेशन चर्च' के दशकों पुराने संबंध सामने आए।

प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने प्रकरण पर जनता के रोष को शांत करने की कोशिश की और तीन कैबिनेट मंत्रियों को बदल दिया। इस साल के समापन संसदीय सत्र में स्वीकृत नया कानून मतावलंबियों अन्य दाताओं और उनके परिवारों को अपने धन की वापसी की मांग करने की अनुमति देता है और धार्मिक समूहों और अन्य संगठनों को जबरदस्ती धमकियों या दान को आध्यात्मिक मुक्ति से जोड़कर धन मांगने से रोकता है। इस मामले में लोगों के अनुभव सुन चुके किशिदा ने उनके कष्टों को भयानक बताया और पीड़ितों तथा उनके परिवारों की मदद के लिए पारित कानून की प्रशंसा की। यह कानून लाना किशिदा की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक था। इसके साथ जापान की नई राष्ट्रीय रक्षा नीति को भी मंजूरी दी गई है।

कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार देश दुनिया को तेजी से बदल रहे : जयशंकर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार देशों को शीघ्र कदम उठाने और वैश्विक तापपान को बढ़ने से रोकने की दिशा में काम करना चाहिए है।

अबू धाबी में जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी विषय पर 'इंडिया ग्लोबल फोरम यूएई समिट' को संबोधित कर जयशंकर ने जलवायु को लेकर बहस के दो हिस्सों के बीच फर्क का जिक्र किया। जयशंकर ने कहा महत्वपूर्ण है कि जो कार्बन स्पेस पर कब्जा कर रहे हैं वे वादा करते रहे हैं कि वे दूसरों की मदद करने वाले और स्पष्ट रूप से उन्होंने दुनिया को तेजी से बदला है।''

विदेश मंत्री ने कहा वे हर सीओपी (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) में कुछ नए तर्क कुछ बहानेबाजी कुछ ऐसी चीजें प्रस्तुत करते हैं जो मार्ग को बाधित करती रहती हैं। इसलिए आज आप जिस वास्तविक समस्या का सामना कर रहे हैं वह कई सीओपी में आ चुका है। विकसित देश अभी भी अपने वादों को निभाने के बारे में गंभीर नहीं हैं। निराशा बढ़ रही है क्योंकि दुनिया की स्थिति स्पष्ट रूप से बदतर होती जा रही है।

विदेश मंत्री ने बड़े उत्सर्जक जैसी पहचान के साथ देशों को लक्षित करने और भ्रमित करने के लिए कुछ जलवायु विमर्श की भी निंदा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा उस देश में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन हो सकता है जो बाकी दुनिया का दसवां हिस्सा है। हालांकि यह वह देश नहीं है जिसने कार्बन स्पेस पर कब्जा कर लिया। इसलिए कहीं न कहीं लोगों को इसके बारे में हकीकत जानने की जरूरत है और कहना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन के लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार हैं और क्या कदम उठाने चाहिए।''

ब्रिटेन ने जबरन धर्मांतरण कराने के आरोपी पाकिस्तानी मौलाना पर प्रतिबंध लगाया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन ने पाकिस्तान में जबरन धर्मांतरण कराने और हिंदू समेत धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों की जबरन शादी कराने के आरोपी मौलाना समेत मानवाधिकारों का हनन करने वाले, भ्रष्ट अधिकारियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। ब्रिटेन ने कुल 30 व्यक्तियों, अधिकारियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली की ओर से अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस व मानवाधिकार दिवस के मौके पर शुक्रवार को जारी की गई प्रतिबंधित लोगों व संस्थाओं की नई सूची में पाकिस्तान में सिंध प्रांत के घोटकी में स्थित भरचुंडी शरीफ दरगाह के मियां अब्दुल हक का भी नाम है।

इस सूची में कैदियों को प्रताड़ित करने वाले, सैनिकों को महिलाओं का बलात्कार करने के लिए कहने वाले और व्यवस्थित अत्याचार में शामिल लोगों और संस्थाओं के नाम हैं।

क्लेवरली ने कहा, 'दुनिया भर में स्वतंत्र और मुक्त समाज को बढ़ावा देना हमारा फर्ज़ है।' उन्होंने कहा, 'आज हमारी ओर से लगाए गए प्रतिबंध उन लोगों का पर्दाफाश करेंगे, जो हमारे बुनियादी अधिकारों का घोर हनन करने वालों के पीछे हैं। हम भय पर स्वतंत्रता के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपने पास मौजूद हर उपाय का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

मौलाना हक राजनीतिक नेता है। वह सिंध में स्थानीय तौर पर प्रभावशाली है। उसकी प्रांत में ज्यादातर हिंदुओं का जबरन धर्मांतरण कराने के लिए कई साल से आलोचना की जाती रही है। ब्रिटेन की प्रतिबंध लगाने वाली सूची में कहा गया है, 'सिंध के घोटकी में भरचुंडी दरगाह के मौलाना मियां अब्दुल हक गैर मुस्लिम और नाबालिगों की जबरन शादी कराने और जबरन धर्मांतरण कराने के लिए जिम्मेदार है।' प्रतिबंधित लोगों की सूची में शामिल शख्सों की ब्रिटेन में संपत्ति को जब्त कर लिया जाएगा और उनकी यात्रा पर रोक लगेगी।

इसी के साथ ब्रिटेन का कोई नागरिक या कंपनी उनके साथ किसी भी तरह का कारोबारी रिश्ता नहीं रख सकेगी और न ही उन्हें धन दे पाएगी। इन प्रतिबंधों में रूस, यूगांडा, म्यांमा और ईरान के लोग भी शामिल हैं। यूक्रेन के अलेक्ज़ेंडर कोस्तेंको को 2015 में प्रताड़ित करने के लिए क्रीमिया में रूसी संघीय सुरक्षा सेवा के सदस्य एंड्रे तिशेनीन और क्रीमिया स्वायत्त गणराज्य के वरिष्ठ अधिकारी आरतुर शामबजोव पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके अलावा रूस के न्यायाधीश और अभियोजक पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। ईरान की न्यायपालिका और कारागार व्यवस्था से जुड़े 10 अधिकारियों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। म्यांमा के जुंटा (सैन्य शासक) पर बलात्कार और यौन हिंसा के आरोपों को लेकर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा पुतिन की सेना ने बखमुत शहर को 'नष्ट किया

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के बखमुत शहर को 'नष्ट' कर दिया है। यूक्रेनी सेना ने बताया कि रूस की ओर से देश के कई हिस्सों में मिसाइल रॉकेट और हवाई हमले किए गए जिन्हें वह महीनों से जारी प्रतिरोध के बावजूद जीतने का प्रयास कर रहा है। साढ़े नौ महीने से जारी युद्ध में रूस का ध्यान अब यूक्रेन के उन चार प्रांतों पर केंद्रित हो गया है जिन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गत सितंबर में कब्जा करने का दावा किया था।

युद्ध से संकेत मिलता है कि रूस को उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जबकि यूक्रेन इन क्षेत्रों को दुबारा हासिल करने को लेकर अडिग है। जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क प्रांतों के कई अग्रिम पंक्ति के शहरों में हालात बहुत कठिन हैं। एक साथ ये प्रांत डोनबास क्षेत्र के तहत आते हैं जो रूसी सीमा पर स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र है। पुतिन का ध्यान युद्ध की शुरुआत से ही इस क्षेत्र पर रहा है जहां अलगवावादी वर्ष 2014 से ही लड़ रहे हैं।

जेलेंस्की ने अपने वीडियो संदेश में कहा ''बखमुत सोलेदर मारयिंका क्रेमिना। लंबे समय से इन क्षेत्रों की जमीन पर कोई जीवंत स्थान नहीं बचा है जहां कि रूसी गोलाबारी से नुकसान नहीं हुआ हो। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने असल में डोनबास क्षेत्र के एक और शहर बखमुत को 'नष्ट कर दिया लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि 'नष्ट' से उनका क्या अभिप्राय है क्योंकि कुछ इमारतें अब भी खड़ी हैं और बाशिंदे अब भी शहर की सड़कों पर घूम रहे हैं। यूक्रेनी सैन्य जनरल ने रूस की ओर से 20 हवाई हमले और 60 से अधिक रॉकेट हमले के अलावा मिसाइल हमले किये जाने की जानकारी दी। बखमुत जिले में सबसे सक्रिय लड़ाई हुई जहां 20 से अधिक आबादी वाले स्थान गोलाबारी की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने दोनेत्स्क और पड़ोसी लुहांस्क में रूसी हमले को नाकाम कर दिया।

मोदी सरकार ने अब तक लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का काला धन बरामद किया

-4600 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति कुर्क की गई

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार ने अब तक लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का काला धन बरामद किया है। इतना ही नहीं केंद्र ने 4600 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति कुर्क की गई है। पूर्व प्रधानमंत्र राजीव गांधी की एक टिप्पणी को याद किया जहां उन्होंने कहा था कि गरीबों के कल्याण के लिए रखा गया एक रुपये का केवल 15 पैसा गरीबों तक पहुंचता था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज 100 प्रतिशत राशि डीबीटी (डायरेक्ट बैंक) के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचती है। तब पूर्व पीएम स्व.राजीव गांधी ने कहा था कि 85 प्रतिशत योजनाएं यूं ही चली जाती हैं लोगों तक नहीं पहुंचती हैं लेकिन आज 26 लाख करोड़ रुपये सीधे लोगों के खाते में स्थानांतरित किए गए हैं और बचत 2.25 लाख करोड़ रुपये के करीब है तब कल्पना कीजिए कि बहुत सारी बचत होनी है जिसका सीधा लाभ लोगों को मिला है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन मॉडल के बारे में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम की स्पष्ट दृष्टि है कि देश को शॉर्टकट राजनीति नहीं बल्कि सुशासन की ओर जाना चाहिए। वैष्णव ने कहा कि पीएम ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल ढांचा तैयार किया है कि सुशासन देश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। सुशासन के कई आयाम हैं पहला डिजिटल आयाम 45 करोड़ जन धन खातों से डिजिटल तकनीक का उपयोग शुरू 135 करोड़ आधार प्राप्त करना एक बार जब यह संरचना अपने स्थान पर आ जाएगी तब लोगों के खाते में सीधा लाभ जाना शुरू हो जाएगा। उन्होंने डिजिटलीकरण के कारण सुशासन के अन्य आयामों को भी रेखांकित किया। वैष्णव ने कहा जहां कई देश अभी भी अपने टीकाकरण कार्यक्रम से जूझ रहे हैं वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म-कोविन का उपयोग करके 216 करोड़ टीकाकरण पूरा कर लिया है।

मोरबी ब्रिज केस : हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार को लगाई फटकार, ऐसे स्थानों का समय-समय पर ऑडिट करने का आदेश दिया

अहमदाबाद । गुजरात उच्च न्यायालय ने मोरबी ब्रिज ढहने के मामले में एक बार फिर नगर निकाय को फटकार लगाई है। एसआईटी की रिपोर्ट में हाई कोर्ट का कहना है कि जिस कंपनी के साथ एमओयू हुआ था, उसने गैर सक्षम एजेंसी को काम आउटसोर्स किया था। मोरबी नगर पालिका और राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के समक्ष हलफनामा पेश किया। राज्य सरकार के हलफनामे के अनुसार मृतकों के परिवारों को अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। प्रत्येक मृतक को कुल 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। पुल गिरने की घटना में घायल हुए लोगों को एक-एक लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। गुजरात उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2022 में 135 लोगों की जान लेने वाली मोरबी ब्रिज ढहने की घटना से संबंधित चल रही जनहित याचिका में अदालत की सहायता के लिए आज दो 'युवा' अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया। जिन दो अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया गया वे अधिवक्ता वरुण पटेल और प्रिया पंचाल हैं। अदालत एक स्वत : संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही थी और अदालत ने कहा कि पुल को फिर से खोलने से पहले कोई भार परीक्षण नहीं किया गया था। अदालत ने गुजरात सरकार को ऐसे स्थानों का समय-समय पर ऑडिट करने का आदेश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में कोई घटना न हो।

सबरीमाला मंदिर में दर्शन के लिए रिकॉर्ड बुकिंग 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

तिरुवंतनपुरम । दक्षिण भारत के मशहूर सबरीमाला मंदिर में दर्शन के लिए रिकॉर्ड बुकिंग हुई है और मंदिर में 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार 107260 भक्तों ने 12 दिबंसर के लिए दर्शन का समय बुक किया है। भारी भीड़ को ध्यान में रखकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। भक्तों को नियंत्रित और खंडित तरीके से पम्पा से सन्निधानम तक ले जाया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक बिंदु पर पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। भक्तों की भीड़ के कारण किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खंड रोटेशन एक एहतियाती उपाय है। भक्त इंतजार कर रहे हैं। सबरीमाला के विशेष अधिकारी हरिश्चंद्र नाइक ने कहा कि कतार में हल्का भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के अलावा आरएएफ और एनडीआरएफ कर्मियों की सेवाओं का भी उपयोग किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि दर्शन का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। सबरीमाला दर्शन के लिए 13 दिसंबर को करीब 77216 और 14 दिसंबर को 64617 लोगों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। शनिवार को शाम 5 बजे तक करीब 60000 लोगों ने सबरीमाला दर्शन किए। केरल देवस्वोम विभाग के मंत्री के राधाकृष्णन ने कहा कि इससे पहले 24 नवंबर को 2.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने केरल के पतनमथिट्टा जिले के सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में चल रहे तीर्थयात्रा सीजन के पहले छह दिनों में दर्शन किए।इस तीर्थयात्रा के पहले छह दिनों में 261874 तीर्थयात्री सबरीमाला के दर्शन कर चुके हैं।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आए सभी आठ चीते ठीक हैंऔर नए माहौल में ढल रहे हैं : भूपेंद्र यादव

श्योपुर । केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में सभी आठ चीते ठीक हैं और नए माहौल में अच्छी तरह से ढल रहे हैं। आठ चीतों को 17 सितंबर को नामीबिया से 'महत्वपूर्ण प्रजाति पुन : परिचय परियोजना' के तहत लाया गया था और उन्हें उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके बाड़ों में छोड़ दिया गया था। केएनपी में शोधकर्ताओं वैज्ञानिकों और वन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने वाले केंद्रीय मंत्री यादव ने ट्वीट किया यह जानकर खुशी हुई कि सभी आठ चीते अच्छी तरह से नए माहौल में ढल रहे हैं। इससे पहले 1947 में वर्तमान छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भारत के अंतिम चीते की मौत हो गई थी जिसके बाद 1952 में इस प्रजाति को देश में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

सांसद शशि थरूर को लेकर केरल कांग्रेस के बदले सुर बताया पार्टी के लिए एक संपत्ति

तिरुवनंतपुरम । केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के सुधाकरन ने कहा कि पार्टी सांसद शशि थरूर हमेशा कांग्रेस के लिए संपत्ति रहे हैं और कोई भी उन्हें अलग नहीं कर सकता है। थरूर द्वारा सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लेने और राज्य भर के धार्मिक और राजनीतिक नेताओं के साथ बैठक शुरू करने के बाद कांग्रेस की राज्य इकाई के अंदर झगड़े की खबरों के मद्देनजर उनका यह बयान आया है। कोट्टायम और पठानमथिट्टा जिलों में कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग को हाल ही में शशि थरूर के कार्यक्रमों से दूर रखा गया है। केपीसीसी अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उन्होंने उनसे दिल्ली में बात की है और थरूर से संबंधित कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा थरूर ने पार्टी के ढांचे के भीतर काम किया है। कोई भी उन्हें अलग नहीं कर सकता है। थरूर की क्षमता पार्टी की संपत्ति है। थरूर और पार्टी एकजुट हैं। वह हमेशा से कांग्रेस के लिए एक संपत्ति रहे हैं। कोच्चि में पांच माह के बाद रविवार को केपीसीसी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के बाद प्रेसवार्ता आयोजित की गई। बैठक में थरूर को लेकर विवादों पर चर्चा हुई थी।

चक्रवाती तूफान मैंडूस का असर चेन्नई और तमिलनाडु के स्कूल 15 दिसंबर तक बंद

चेन्नई । चेन्नई और तमिलनाडु के कई अन्य हिस्सों में सोमवार को बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 दिसंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान और कम दबाव के क्षेत्र के बनने की संभावना के कारण 15 दिसंबर तक और बारिश की भविष्यवाणी की। कांचीपुरम जिले के अलावा तिरुवल्लुर और उथुकोट्टई तालुक सहित कुछ क्षेत्रों के स्कूलों ने पूर्वानुमान के आधार पर सोमवार को अवकाश घोषित किया। ममल्लापुरम में चक्रवात मैंडूस के तटीय क्षेत्र से टकराने के दौरान गिरे पेड़ों के हिस्सों को निकाय अधिकारियों द्वारा साफ किया जा रहा है। आईएमडी के अनुसार उत्तरी तमिलनाडु के बाहरी इलाकों और इससे सटे दक्षिण कर्नाटक के इलाकों तथा उत्तरी केरल के तटीय इलाके में एक चक्रवाती तूफान के प्रभाव के कारण 13 दिसंबर के आसपास क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की आशंका है इसके बाद में भारतीय तट से दूर पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने के आसार हैं।

सीमा विवाद के बीच गुजरात में मिले कर्नाटक और महाराष्ट्र के सीएम, बोम्मई बोले- 14 को अमित शाह करेंगे बैठक

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। सीमा विवाद की वजह से दोनों ही राज्यों में तनातनी की स्थिति देखने को मिली। दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्री और बाकी के नेताओं की ओर से एक दूसरे पर वार-पलटवार भी किया गया। इन सबके बीच आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की मुलाकात हुई है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब दोनों राज्यों की ओर से अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक बसवराज बोम्मई और एकनाथ शिंदे गुजरात पहुंचे थे। आज गुजरात में भूपेंद्र पटेल का शपथ ग्रहण समारोह था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे।

इसी समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे दोनों ही राज्यों की मुलाकात एयरपोर्ट के लाउंज में हुई है। इस दौरान महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। खबर यह भी है कि अमित शाह दोनों ही राज्यों के साथ 14 दिसंबर को बड़ी बैठक करेंगे। इस बात की जानकारी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने दी है। फिलहाल यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। लेकिन कहीं ना कहीं सीमा पर तनाव की वजह से दोनों राज्यों में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती हुई दिखाई दे रही है। कर्नाटक में महाराष्ट्र से जाने वाली बसों पर पथराव हुआ तो वहीं महाराष्ट्र में कर्नाटक से आने वाली बसों पर पथराव की खबर आई। दोनों ओर से एक दूसरे का विरोध प्रदर्शन भी किया गया। वहीं, महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने भी साफ तौर पर कह दिया कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों से हिंसा की घटनाओं की सूचनाएं आने के बाद गहरा गया है। यह विवाद 1957 में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन करने के बाद से ही है। महाराष्ट्र कर्नाटक के बेलगावी पर दावा करता है जो भूतपूर्व बम्बई प्रेसिडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि वहां पर मराठी भाषी लोगों की संख्या अच्छी खासी है। महाराष्ट्र का कर्नाटक के मराठी भाषी 814 गांवों पर भी दावा है।

धैर्य की परीक्षा नहीं दी जानी चाहिए।

कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच का सीमा विवाद का मुद्दा संसद में भी उठाया। विपक्षी दल लगातार इसमें केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। दोनों ओर से दावा किया जा रहा है कि हम 1 इंच भी जमीन नहीं छोड़ेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच सीमा विवाद के मुद्दे पर अपने रुख को साफ करना चाहिए। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद दोनों राज्यों के

सुप्रीम कोट से मनीष सिसोदिया को लगा बड़ा झटका, मानहानि के मुकदमे को रद्द करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से आज बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मनीष सिसोदिया ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को लेकर कई बड़े आरोप लगा दिए थे। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने मनीष सिसोदिया के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मनीष सिसोदिया ने अपने खिलाफ दाखिल मानहानि के मुकदमे को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इससे पहले गुवाहाटी के हाई कोर्ट ने भी सिसोदिया की याचिका को खारिज कर दी थी। कोर्ट की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि अपनी सतही बयानबाजी के लिए मनीष सिसोदिया को हिमंत बिस्वा सरमा से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए थी। लेकिन अब उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा।

मनीष सिसोदिया की ओर से वकील के मौत पर अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने साफ तौर पर कहा कि यदि आप सार्वजनिक बहस को इतना नीचे ले जाते हैं तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब आपको कोर्ट के सामने साबित करना होगा। सिसोदिया के वकील को फटकार भी लगी। कोर्ट ने कहा कि यह महसूस करने के बजाय के देश क्या कर रहा है, आप सब लोग एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

दीदी नीतिश के बाद अखिलेश जुटे 2024 के लिए विपक्ष की एकजुटता बनने में

-मैनपुरी में जीत के बाद गदगद सपा

लखनऊ(एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने पक्ष में दावे कर रहे हैं। वहीं विपक्षी एकजुटता को लेकर भी लगातार कई दलों की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद ममता बनर्जी ने कई विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की थी और एकजुटता बनाने की कोशिश की थी। हालांकि उनका यह प्रयास धीरे-धीरे कम हो गया है। बिहार में एनडीए गठबंधन से बाहर होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी विपक्षी दलों से मुलाकात की थी और 2024 को लेकर एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की थी। हालांकि उनकी कवायद भी फिलहाल धीमी हो गई है। लेकिन अब इस कोशिश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जुट गए हैं।

मैनपुरी लोकसभा सीट पर मिले उपचुनाव में जीत के बाद अखिलेश और समाजवादी पार्टी का उत्साह अपने चरम पर है। सूत्रों का दावा है कि अखिलेश 2024 चुनाव को लेकर राष्ट्रीय राजनीति पर पूरी तरीके से फोकस करना चाहते हैं। इसी कड़ी में अखिलेश का बड़ा बयान आया है। अखिलेश ने साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर सब प्रयास कर रहे हैं ताकि एक मजबूत विकल्प बन सके। उन्होंने कहा कि महंगाई बेरोजगारी अपने चरम पर है।

अखिलेश ने कहा कि मैनपुरी की परिणाम ने नकारात्मक राजनीति को ठुकराया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को समृद्धि और विकास के रास्ते पर होना चाहिए था। पर अब वह कहां

है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 5 साल बाद भाजपा सरकार को निवेशकों को बुलाना याद आया है। पिछले 5 साल से आप क्या कह रहे थे?

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ममता मेघालय के लिए रवाना, टीएमसी के सम्मेलन को करेंगी संबोधित

कोलकाता (एजेंसी)।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को मेघालय के लिए रवाना हुईं, जहां वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगी। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि बनर्जी के साथ टीएमसी के महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी हैं। उन्होंने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''वह 2023 में मेघालय चुनाव के मद्देनजर वहां टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए पहुंची है।'' सूत्र ने बताया कि मेघालय की राजधानी शिलॉंग पहुंचने के बाद टीएमसी सुप्रीमो रबींद्रनाथ टैगोर के आवास का दौरा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री 13 दिसंबर को क्रिसमस पूर्व समारोह में भी भाग लेंगी। गौरतलब है कि नवंबर 2021 में कांग्रेस के 12 विधायक टीएमसी में शामिल हो गए थे जिससे तृणमूलपर्वतीय राज्य में 60 सदस्यीय विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल बन गयी। टीएमसी पूर्वोत्तर में असम और त्रिपुरा के साथ ही मेघालय में भी अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

भारतीय नौसेना का ऐतिहासिक कदम, महिलाएं भी अब बन सकेंगी मार्कोस कमांडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए की एंट्री के रास्ते साफ होने के बाद अब महिलाओं को भी कमांडो बनने का मौका मिलेगा। उम्मीद है कि जल्द ही एक आधिकारिक घोषणा की जाएगी। भारतीय नौसेना ने अपने एलीट स्पेशल फोर्सेज में महिलाओं को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। पहली बार महिलाओं को सेना में कमांडो के रूप में सेवा देने की अनुमति दी गई है। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने मीडिया को यह जानकारी दी। अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

महिलाओं को पहली बार मिल रहा मौका

थल सेना, नौसेना और वायु सेना के विशेष बलों के कमांडो कठोर प्रशिक्षण से गुजरते हैं। इन आदेशों को विशेष और गुप्त संचालन के लिए सौंपा गया है। इस नौकरी में विशेष बलों के कमांडो कौशल शामिल हैं। अब तक केवल पुरुष ही कमांडो बन सकते थे; लेकिन अब भारतीय नौसेना में महिलाओं को भी कमांडो बनने का मौका मिलेगा।

महिलाओं के लिए मार्कोस बनने का अवसर

कड़े प्रशिक्षण के बाद सभी मानदंडों को पूरा करने वाली महिलाओं को नौसेना में मरीन कमांडो यानी मार्कोस बनने का मौका मिलेगा। भारत के सैन्य इतिहास में यह एक ऐतिहासिक कदम होगा। इनमें से किसी को भी सीधे स्पेशल फोर्सेज में शामिल नहीं किया जाएगा। महिला कमांडो को वॉलंटियर के तौर पर काम करना होता है। अगले साल होने वाली अग्निवीर भारती में भारतीय नौसेना में शामिल होने वाली महिला अधिकारियों और नाविकों को मार्कोस ट्रेनिंग दी जाएगी।

सुशील मोदी की 2000 का नोट बंद करने की मांग,

कहा- आतंकी फंडिंग और मादक पदार्थों की तस्करी में हो रहा इसका इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने 2000 रुपये के नोट पर बैन लगाने की मांग कर दी है। संसद में सुशील मोदी ने यह मुद्दा उठाया और साथ ही साथ आरोप लगाया कि कालेधन के रूप में नोटों की जमाखोरी हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 2000 के नोटों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग, मादक पदार्थों की तस्करी और काले धन के लिए किया जा रहा है। भाजपा सांसद ने इस बात पर भी जोर दिया है कि इसे बदलने के लिए लोगों को 1 साल का वक्त दिया जाना चाहिए। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी की घोषणा की थी। इसके तहत 500 और 1,000 रुपये के नोटों को अवैध घोषित कर चलन से बाहर कर दिया गया था।

भाजपा सांसद ने कहा कि 2000 रुपये के करेंसी नोट को धीरे-धीरे समाप्त करने की आवश्यकता है, साथ ही लोगों को अपनी वैध

होल्डिंग्स को छोटे मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों में बदलने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाजार में गुलाबी रंग के 2,000 रुपये के नोटों का दर्शन दुर्लभ हो गया है। एटीएम से नहीं निकल रहा है और अफवाह है कि यह अब वैध नहीं रहा। उन्होंने सरकार से इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन वर्ष से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2,000 रुपये के नोटों की छपाई बंद कर दी है और बड़ी संख्या में 2,000 रुपये के नकली नोट जब्त भी किए जा रहे हैं।

इसके साथ ही मोदी ने साफ तौर पर कहा कि आरबीआई ने 3 साल पहले 2,000 रुपए के करेंसी नोटों की छपाई बंद कर दी थी। ऐसी जानकारी है कि लोगों ने इसे जमा कर रखा है और इसका इस्तेमाल आतंकी फंडिंग, मादक पदार्थों की तस्करी और काले धन के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हम अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान जैसी प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं को देखें, तो उनके पास 100 से ऊपर की कोई मुद्रा नहीं है। इसलिए केंद्र सरकार को इस पर विचार करना चाहिए और इसे चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंधित करना चाहिए ताकि लोगों के पास इसे अन्य छोटी मुद्राओं में बदलने के लिए का समय हो। उन्होंने साफ कहा कि भारत में 2,000 के नोट के प्रचलन का अब कोई औचित्य नहीं है। अब तो सरकार डिजिटल लेनदेन को भी बढ़ावा दे रही है।

जनता से किए सभी वादे पूरे करेंगे पहली कैबिनेट में लागू करेंगे पुरानी पेंशन योजना: सुखविंदर सुक्खू

शिमलो(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद कामकाज शुरू हो गया है। हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कैबिनेट बैठक से पहले बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा वायदे के अनुसार पहली कैबिनेट बैठक में हम पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करेंगे। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने को बड़ा मुद्दा बनाया था। चुनावी जीत के बाद कांग्रेस ने कहा था कि हमने जो भी वादे किए हैं उसको हर हाल में पूरा करेंगे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक आम नागरिक की तरह सब बकाया भुगतान करेंगे। विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पहली कैबिनेट में हम पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएल) लागू करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं भले ही हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस में अपनी सरकार बनाने में कामयाबी हासिल कर ली हो लेकिन उसे अगले दिनों में कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उनके सामने सबसे पहली चुनौती यह होगी कि वह आंतरिक गुटबाजी को कैसे नियंत्रित करेंगे। पार्टी के समक्ष इसे कम करने की चुनौती होगी। इसके साथ ही उनके ऊपर चुनावी वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की जिम्मेदारी होगी। उनके सामने सबसे पहली मुश्किल विभागों के बंटवारे की होगी क्योंकि दिवंगत मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के समर्थक उनके सीएम बनने के बाद खुद को दरकिनार महसूस कर रहे होंगे। वे कैबिनेट में अहम पद चाहेंगे। सीएम सुखविंदर ने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को कैबिनेट में

स्थान देने का वायदा किया है। विक्रमादित्य सिंह ने शिमला ग्रामीण सीट से जीत दर्ज की है। सांगठनिक एकता बनाए रखने के अलावा कांग्रेस सरकार को जमीनी स्तर पर काम करने और घोषणापत्र के वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की जरूरत होगी।

केंद्रीय वित्तमंत्री का आरोप देश की मजबूत अर्थव्यवस्था को देखकर कुछ लोगों को जलन हो रही

-डॉलर का मुकाबला कर रहा भारतीय रुपया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन सोमवार को लोकसभा में तेलंगाना से कांग्रेस सांसद अनुमुला रेवंत रेड्डी ने प्रश्नकाल को दौरान प्रधानमंत्री मोदी के एक पुराने बयान को सामने रखकर देश की अर्थव्यवस्था पर सवाल किया। इसके जवाब में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश की मजबूत अर्थव्यवस्था को देखकर कुछ लोगों को जलन हो रही है।

तेलंगाना से कांग्रेस सांसद रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी के एक पुराने बयान को सामने रखा जिसमें उन्होंने कहा था कि रुपया आईसीयू में पड़ा है देश का दुर्भाग्य है कि दिल्ली सरकार को देश की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि आज सरकार को अपनी कुर्सी बचाने की चिंता है। रुपए गिरने की कोई चिंता नहीं है कोई एक्शन प्लान नहीं है। जब डॉलर की कीमत 66 रुपए थी तब इन्होंने कहा था कि रुपया आईसीयू में है अब रुपये की कीमत 83.20 है। उन्होंने कहा की आईसीयू से दो रास्ते जाते हैं एक ठीक होकर घर वापस आना और दूसरा मुर्दाघर जाने का। तब अब अगर रुपया 83.20 है तब मतलब हम सीधा मॉर्चुरी में जा रहे हैं। इसपर उन्होंने वित्त मंत्री सीतारमण से सवाल किया कि रुपए को मॉर्चुरी से वापस लाने का क्या कोई एक्शन प्लान है?

इस पर वित्त मंत्री ने कहा जब प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री थे उस दौर का बयान उठाकर ये सवाल पूछ रहे हैं बहुत सही है। पूछना चाहिए ये सवाल। सीतारमण ने कहा कि अगर कांग्रेस नेता रेड्डी कोटेशन के साथ उस जमाने के बाकी सब इंडिकेटर्स को भी याद दिलाते तब अच्छा था। उन्होंने कहा कि उस वक्त पूरी इकोनॉमी आईसीयू में थी। पूरी दुनिया में भारत को फ्रेजाइल फाइव में रखा गया था और उस समय हमारा फॉरेन एक्सेंज रिजर्व एकदम नीचे था। केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भी आज भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी है। लेकिन कुछ लोगों को इससे जलन हो रही है दुख की बात है कि इसपर जलने वाले लोग हमारे सदन में हैं। जब देश आगे बढ़ा रहा है तब उसपर गर्व होना चाहिए न कि मजाक उड़ाना चाहिए। पूरा डॉलर विदेश में ताकतवार हो रहा है सिर्फ भारत उसके खिलाफ खड़ा हो रहा है। इसका आनंद लेना चाहिए न कि मजाक उड़ाना चाहिए।

कांग्रेस सांसद रेड्डी ने पूरक सवाल किया 1947 से लेकर 65 सालों में रही सरकारों ने 5587149 करोड़ का लोन लिया था। लेकिन मोदी सरकार ने अपनी सरकार में अब तक 1800744 करोड़ का कर्ज लिया है। हर साल 10 हजार करोड़ उधार मांगकर जी रहे हैं इस देश का पूरा सर्वनाश कर दिया इस सरकार ने अगर रुपए को मजबूत करना है तब विदेशी निवेश को देखना है इसमें आपका एक्शन प्लान क्या है?

इसके जवाब में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि करंसी डीवैल्युएशन शब्द का इस्तेमाल तब होता है जब कोई फिक्स्ड एक्सचेंज रेट मैकेनिज्म होता है। आज भारत में फिक्स्ड एक्सचेंज रेट मैकेनिज्म नहीं है। अगर कोई रेट कम होता है तब हम बात करते हैं डिप्रेसिएशन और एप्रीसिएशन की। डीवैल्युएशन इसमें नहीं आता है।

उन्होंने कहा मैंने बहुत साफ तौर पर समझाया है कि भारतीय रुपया हर करंसी के मुकाबले मजबूत हुआ है और यह साबित भी हुआ है। डॉलर के मामले में यूएस फेड द्वारा अपनाई गई नीतियों की वजह से डॉलर मजबूत होता जा रहा है। अब फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व की बात करें तब आरबीआई ने फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का इस्तेमाल इसलिए किया ताकि वे मार्केट में हस्तक्षेप करके यह पक्का कर सके कि डॉलर और रुपए के बीच का फ्लक्चुएशन बहुत ज्यादा न हो। क्योंकि अगर फ्लक्चुएशन बहुत ज्यादा हो जाएगा तब इससे काफी परेशानी हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भूपेंद्र पटेल सरकार के दूसरे कार्यकाल में सूरत का दबदबा,दक्षिण गुजरात से पांच मंत्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री के रूप में भूपेंद्र पटेल के दूसरे कार्यकाल में एक बार फिर सूरत और दक्षिण गुजरात का दबदबा रहा है। मुख्यमंत्री समेत 17 मंत्रियों के नए कैबिनेट में सूरत शहर जिले और दक्षिण गुजरात के पांच विधायक शामिल किए गए हैं। तमाम चुनौतियों के बावजूद बीजेपी का गढ़ साबित हो रहे सूरत के मंत्रिमंडल में एक बार फिर दक्षिण गुजरात का पलड़ा भारी होता जा रहा है।

केबिनेट मंत्री कनुभाई देसाई, स्वंतत्र विभाग हर्ष संघवी

2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी की शानदार जीत के बाद आज कैबिनेट का गठन हो गया है। मुकेश पटेल के साथ पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हर्ष संघवी और कनू देसाई और नवागंतुक प्रफल पांसेरिया और कुंवरजी हलपति को शामिल किया गया है। इस कैबिनेट में सूरत शहर के साथ एक बार फिर दक्षिण गुजरात का पलड़ा भारी हो गया है।

मुकेश पटेल मंत्री पद पर रिपिट हुए

भूपेंद्र पटेल ने सबसे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, उसके बाद कनू देसाई ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जिसमें गुजरात में सातवीं बार भाजपा की सरकार बनी। इसके अलावा अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। पारडी के विधायक कनूभाई देसाई को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इस कैबिनेट में सूरत सेअभी तक किसी कैबिनेट मंत्री को नहीं बनाया है। लेकिन तब हर्ष संघवी को स्वतंत्र प्रभार के पहले दो मंत्रियों में राज्य स्तर के मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

प्रफुल्ल पानशेरिया और कुंवरजी हलपती राज्य मंत्री

इसके अलावा मुकेश पटेल ने हाथ में गीता लेकर राज्य स्तरीय मंत्री पद की शपथ ली। फिर प्रफुल्ल पांशेरिया और कुंवरजी हलपति को राज्य स्तरीय मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में सूरत और दक्षिण गुजरात का दबदबा होने से उनके समर्थकों और उनके इलाके के लोगों में जश्न का माहौल है।

क्षेत्रपाल हनुमान मंदिर में गूंजेंगे भजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. शहर के प्राचीन हनुमान मंदिर क्षेत्रपाल हनुमान मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सालगिरह उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सालगिरह उत्सव के दौरान 16 दिसम्बर को नवसारी बाजार स्थित मंदिर प्रांगण में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रपाल हनुमान मंदिर के महंत राकेशनाथ महाराज ने बताया कि मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी के मौके पर क्षेत्रपाल हनुमानजी महाराज की सालगिरह मनाई जाती है और 16 दिसम्बर शुक्रवार को सुबह 11 बजे से मंदिर प्रांगण में वेदपाठी ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-हवन किया जाएगा। यज्ञ की पूर्णाहुति शाम पांच बजे होगी। हनुमानजी महाराज के समक्ष अन्नकूट का भोग परोसा जाएगा। अन्नकूट के दर्शन दोपहर तीन बजे से शुरू होंगे। सांध्यकालीन महाआरती के बाद शाम सात बजे से भजन संध्या आयोजित की जाएगी और भजन गायक सुरेश जोशी अपने साथियों के साथ भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन भी किया जाएगा।

गौशाला में रखी मंदिर निर्माण की नींव

सूरत. नवसारी के दंडेश्वर स्थित श्रीकृष्ण कामधेनु गौशाला, मां शाकंभरी आश्रम परिसर में रविवार सुबह सवा मंदिर निर्माण के लिए शिला पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर निर्माण समिति के राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि श्रीकृष्ण कामधेनु गौशाला, मां शाकम्भरी आश्रम परिसर में शाकंभरी मां, मनसा माता, मां जीण भवानी, राणी सती दादी एवं श्याम बाबा के मंदिर के निर्माण के लिए शिला पूजन का कार्यक्रम महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदास महाराज के सानिध्य में रविवार सुबह आयोजित किया गया । इस अवसर पर पूजा विधान के बाद श्रद्धालुओं ने गौशाला का भ्रमण भी किया। इस दौरान कई गौभक्त मौजूद रहे।

संत की निकली पालखी यात्रा

सूरत. समर्थ गच्छाधिपति दौलतसागर सूरी महाराज समुदाय के आचार्य अशोकसागर सुरीश्वर महाराज व सागरचंद्रसागर सुरीश्वर महाराज के शिष्य मुनिराज मैत्रीचंद्रसागर महाराज का देवलोकगमन रविवार देर रात वेसू स्थित श्रीआगमोद्धारक धानेरा आराधना भवन उपाश्रय में हो गया था। कालधर्म प्राप्त महाराज के पार्थिव शरीर की पालखी यात्रा सोमवार सुबह निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अडाजन इलाके में सड़क किनारे खड़ी कार में लगी आग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के अडाजन इलाके में सड़क पर खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। माना जा रहा है कि आग कार में शार्ट सर्किट के कारण लगी। घटना की सूचना दमकल विभाग को देने के बाद अडाजन दमकल की टीम घटना स्थल पर पहुंची और आग पर तत्काल काबू पा लिया। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

सड़क किनारे खड़ी कार में अचानक आग लग गई

सूरत के अडाजन इलाके में एलपी सवानी के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। कार चालक कार पार्क कर बाहर चला गया और जल्द ही कार में आग लग गई। महंगी लग्जरी क्रेटा कार में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने से यहां कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।

दमकल की टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया

कार में आग लगने की घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। आग लगने की सूचना मिलते ही अडाजन दमकल थाने की गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग की टीम ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। हालांकि, सड़क पर खड़ी कार में आग लगने के कारण गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया

स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने का प्रयास किया तो सूचना मिली कि कार में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने अग्नि सुरक्षा उपकरणों से कार में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, आग पर काबू नहीं पाया गया और इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई।

DREAM INDIA SCHOOL SACHIN-SURAT

खेल दिवस कार्यक्रम पुरस्कार वितरण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत सचीन स्कुल खेल प्रतियोगिता में भाग विधार्थीयों को पुरस्कार देकर सन्मानित किया गया जिसमें पुरे कार्यक्रम का संचालन स्कुल के प्रधानाचार्यश्री मती पूनम उपाध्यय जी द्वारा किया गया.

हीरे के ऑफिस से 15 लाख रुपए के हीरे चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में एक बार फिर हीरा कार्यालय में चोरी की घटना सामने आई है। वराछा क्षेत्र में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 15 लाख रुपये मूल्य के हीरों की चोरी की शिकायत वराछा थाने में दर्ज करायी गयी है। मिनी बाजार क्षेत्र में हीरा कार्यालयों से चोरी कर रहे व्यापारियों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है।

तीनों कार्यालयों के ताले तोड़कर चोरी को अंजाम दिया

वराछा क्षेत्र की ठाकोर द्वार सोसाइटी में हीरा कार्यालय में चोरी की घटना सामने आई है। हीरा के कार्यालय में घुसने के लिए ड्रिल मशीन से कार्यालय के सामने का ग्रिल तोड़ दिया जाता है। इसके बाद कार्यालय के अंदर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घटना को देर रात एक चोर ने अंजाम दिया है।

चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गयी

हीरा कार्यालय के एक कर्मचारी भरतभाई ने बताया कि देर रात एक अज्ञात व्यक्ति हमारे कार्यालय में ग्रिल तोड़कर और दरवाजे का ताला तोड़कर घुसा और फिर दरवाज से करीब 15 लाख रुपए के हीरे चुरा लिए। कार्यालय में दो-तीन दुकानों का सामान एक ही जगह रखा हुआ था। वराछा थाने में शिकायत करने के बाद वराछा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वराछा पुलिस सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहे चोर को पकडने में जुटी है।

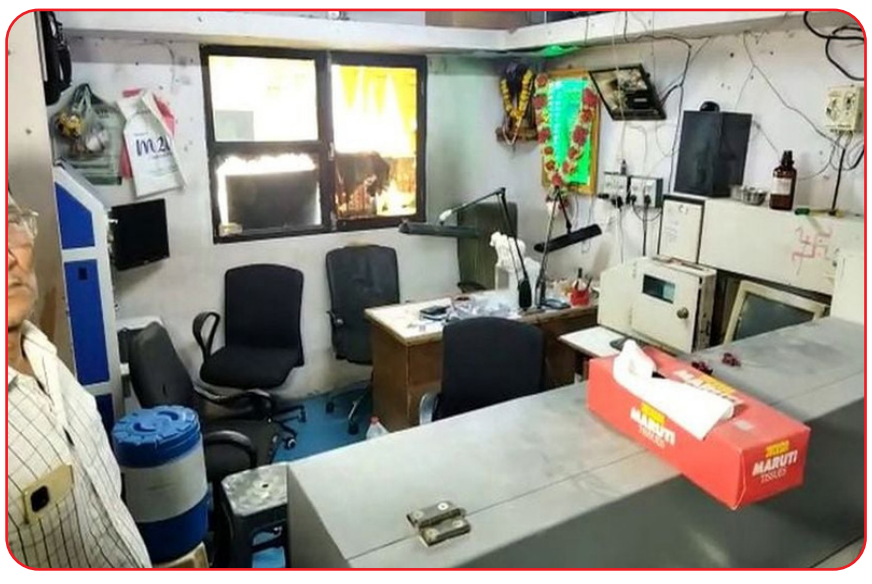

झोपड़ी में आग से घर का सामान जला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. हजीरा क्षेत्र में कवास पाटिया के पास सोमवार सुबह एक झोपड़ी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन झोपड़े में रखा सारा सामान जल गया।

दमकल विभाग के मुताबिक कवास पाटिया के पास 70 वर्षीय भिलाभाई सीदसर पत्नी और बच्चों के साथ झोपड़ी बनाकर रहता है। सोमवार सुबह करीब दस बजे झोपड़ी में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण अफरा-तफरी का माहौल गया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी ने बताया कि आग लगने के साथ ही परिवार के सदस्य बाहर दौड़ आए थे, जिससे जनहानि टल गई, लेकिन आग के कारण पूरी झोपड़ी के साथ घर का सामान भी जल गया।

तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत एसओजी पुलिस ने पांडेसरा इलाके में एक नियमित आरोपी को पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ दबोचा है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है। साथ ही पुलिस ने तमंचा देने वाले को वॉन्टेड घोषित कर दिया है।

बंदूकधारी एक शख्स का एसओजी ने पीछा किया

सूरत पुलिस अपराधियों पर आंख लाल कर बैठी है। साथ ही नो ड्रग्स इन सूरत सिटी अभियान चलाया जा रहा है। तभी सूरत से एसओजी पुलिस ने एक आरोपी को पिस्टल के साथ पकड़कर जेल में डाल दिया। सूरत एसओजी पुलिस के कर्मचारी गश्त पर थे, तभी सूचना मिली कि एक व्यक्ति पिस्टल लेकर पांडेसरा इलाके में घूम रहा है। सूचना के आधार पर एसओजी पुलिस ने आरोपी विशाल रवि कालिया रंजीत शाह को पांडेसरा वड़ोद गांव बापूनगर से गिरफ्तार किया है।

शूटर को पुलिस ने वांछित घोषित कर दिया

पुलिस ने गिरफ्तार युवक के पास से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस जांच में पता चला कि उसके खिलाफ पूर्व में पांडेसरा थाने में 5 अपराध दर्ज हैं और उसे पिस्टल देने वाले को पुलिस ने वांछित घोषित किया है। इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।